RNI No. : TNHIN/2013/52520 | वर्ष - 13 | अंक - 336 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | चेन्नई » शनिवार » 04-07-2026 | www.dakshinbharat.com | Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 सभी दलों के विधायकों को साथ लेकर काम कर रही सरकार : शुभेन्दु

6 भारत-जापान का विशेष गठबंधन और 21वीं सदी का नया भारत

7 अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की तैयारी जारी

फर्स्ट टेक

अल्जीरिया के विश्व कप से बाहर होने के बाद रियाद महरेज़ ने संन्यास लिया

वैंकूवर/एपी। अल्जीरिया के विश्व कप से बाहर होने के बाद उसके स्टार खिलाड़ी रियाद महरेज़ ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया। अल्जीरिया विश्व कप के राउंड ऑफ़ 32 में स्विटजरलैंड से 2-0 से हार गया था। महरेज़ ने कहा, करियर में उतार चढ़ाव होना स्वाभाविक है। मैंने कुछ अच्छे तो कुछ बुरे दौर भी देखे लेकिन बचपन से ही अल्जीरिया का प्रतिनिधित्व करना मेरा सपना रहा। अपने देश के लिए खेलना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और गर्व की बात है। अब नई पीढ़ी को मौका देने का समय है।सऊदी अरब में अल-अहली के लिए खेलने वाले महरेज़ का क्लब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार करियर रहा है। इस 35 वर्षीय फॉरवर्ड ने अल्जीरिया की तरफ से 119 मैच खेले जिसमें उन्होंने 40 गोल किए।

आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद' के आठ सदस्य गिरफ्तार

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से संबंध रखने के आरोप में गुजरात के विभिन्न जिलों और मध्य प्रदेश से आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी गुजरात में एक सक्रिय आतंकी नेटवर्क स्थापित करने की दिशा में काम कर रहे थे। एटीएस के एक अधिकारी ने बताया, आठों आरोपियों को बृहस्पतिवार को गुजरात के विभिन्न जिलों और मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया गया।

सेवा निर्यात 11 प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने चालू वित्त वर्ष में वस्तुओं के निर्यात को 16-17 प्रतिशत बढ़ाकर 530 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। गोयल ने कहा कि सेवा क्षेत्र के निर्यात को भी वित्त वर्ष 2026-27 में 11 प्रतिशत बढ़ाकर 470 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। गोयल ने 'व्यापार बोर्ड' की बैठक में कहा, ''इस वित्त वर्ष के लिए एक लाख करोड़ डॉलर के कुल निर्यात का लक्ष्य है।'' वित्त वर्ष 2025-26 में देश का कुल निर्यात 863 अरब डॉलर रहा था, जिसमें वस्तु निर्यात 442 अरब डॉलर और सेवा निर्यात 418 अरब डॉलर था।

सूर्यास्त 04-07-2026 6:39 बजे	सूर्योदय 05-49-2026 6:00 बजे
BSE 77,763.91 (+ 261.79)	NSE 24,270.85 (+95.15)
सोना 15,136 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 245,000 रु. प्रति किलो

मदद

जम्मू और कश्मीर: जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में शुक्रवार को वार्षिक अमरनाथ यात्रा के शुभारंभ के मौके पर पवित्र अमरनाथ गुफा की ओर जाने वाले मार्ग पर एक तीर्थयात्री की मदद करता पुलिसकर्मी।

ईडी अमेरिकी मिशनरी के खिलाफ सीबीआई से मामला दर्ज करने का अनुरोध करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सीबीआई को पत्र लिखकर विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत जांच के लिए एक अमेरिकी ईसाई मिशनरी के खिलाफ मामला दर्ज करने का अनुरोध करेगा। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह मामला अमेरिका स्थित ईसाई मिशनरी द्वारा भारत के कुछ नक्सल प्रभावित इलाकों में विदेशी डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करके गैर-कानूनी तरीके से करोड़ों रुपये नकद निकालने से जुड़ा है। संघीय जांच एजेंसी ने 'द टिमोथी इनिशिएटिव' (टीटीआई) नाम की संस्था के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत अप्रैल में बेंगलुरु और मैसूरु (कर्नाटक), ग्वालपाड़ा (असम) और छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में तलाशी अभियान चलाया था।

ईडी ने यह मामला तब शुरू किया जब वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) ने एक संदिग्ध लेन-देन रिपोर्ट साझा की। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि अमेरिका के ट्रूइस्ट बैंक द्वारा जारी विदेशी बैंक डेबिट कार्ड के जरिए भारत में विदेशी अंशदान मंगाने और इस्तेमाल करने की बात थी, जिससे तय बैंकिंग और विनियामक माध्यमों को दरकिनार किया गया। इसके बाद एजेंसी ने छापेमारी की और इस कार्रवाई के दौरान इकट्ठा किए गए सबूत छत्तीसगढ़ और कर्नाटक की पुलिस के साथ साझा किए, जिन्होंने क्रमशः मई और जून में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कीं। अधिकारियों ने बताया कि ईडी धन शोधन कानून के तहत आपराधिक मामला दर्ज कर सकती है।

फ्रांस में भीषण गर्मी के दौरान मृतकों की संख्या 29 प्रतिशत बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/एपी । फ्रांस में पिछले महीने पड़ी रिकॉर्ड तोड़ गर्मी के समय सबसे गर्म सप्ताह के दौरान मौतों की संख्या में लगभग एक-तिहाई की बढ़ोतरी हुई। 'सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राधिकरण पब्लिक हेल्थ फ्रांस' ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। प्राधिकरण ने बताया कि इस दौरान पिछले सप्ताह की तुलना में कम से कम 2,000 ज्यादा मौतें दर्ज की गईं। प्राधिकरण के नए आंकड़ों के अनुसार मृतकों की संख्या उसके पिछले रविवार के शुरुआती अनुमान से दोगुनी हो गई है। उस समय प्राधिकरण ने कम से कम 1,000 अतिरिक्त मौतों का अनुमान लगाया था। वह अनुमान केवल भीषण और जानलेवा गर्मी वाले तीन सबसे गर्म दिनों पर आधारित था।

पेरिस में अंतिम संस्कार सेवाओं से जुड़े लोगों ने कहा है कि उन्हें दफनाने या अंतिम संस्कार से पहले शवों को रखने के लिए जगह ढूंढ़ने में परेशानी हो रही है। कुछ शवगृह पूरी तरह भर चुके हैं और वहां शव लेने से इनकार किया जा रहा है। प्राधिकरण की ओर से जारी मौतों के ताजा आंकड़े 22 जून से 28 जून के सप्ताह के हैं। इसी दौरान फ्रांस के इतिहास में सबसे अधिक गर्मी पड़ी और देश के कई शहरों व कस्बों में दिन और रात के तापमान के पुराने रिकॉर्ड टूट गए। इस गर्मी ने यूरोप के कई अन्य हिस्सों में भी अधिकतम तापमान से जुड़े रिकॉर्ड तोड़ दिए। प्राधिकरण ने कहा कि उसने उस सप्ताह के दौरान 8,973 मौतें दर्ज कीं।

राम मंदिर में चढ़ावे की 'चोरी' में शामिल लोगों को कड़ी सजा मिले : होसबाले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबाले ने शुक्रवार को कहा कि अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की घटना ने पूरे समाज की भावनाओं और आस्था को 'गहरी ठेस' पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाए, उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि हिंदू विरोधी और राष्ट्रविरोधी ताकतें'' इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का फायदा उठाकर हिंदू धर्म को बदनाम करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने पूरे हिंदू समाज से भी अपील की कि वह इस ''कठिन समय'' में धैर्य और संयम बनाए रखे, ताकि इस तरह की ''सभी साजिशों'' को विफल किया जा सके। होसबाले ने 'एक्स' पर एक बयान में कहा, ''अयोध्या स्थित श्रीराम लला मंदिर में रखे दानपात्रों से चोरी की दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने पूरे समाज और रामभक्तों की भावनाओं तथा आस्था को गहरी ठेस पहुंचाई है।'' उन्होंने कहा, ''इस घटना से हम सभी बहुत दुखी और आक्रोशित हैं।'' होसबाले ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समेत पूरे हिंदू समाज की न्यास से स्वाभाविक ही अपेक्षा है कि वह इस ''अत्यंत निंदनीय'' घटना को असाधारण मामला मानते हुए मंदिर के प्रबंधन और संचालन में मौजूद सभी कमियों को दूर करने के लिए प्रभावी कदम उठाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि जांच में जो भी दोषी पाया जाए, उसे कड़ी से कड़ी सजा मिले। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मौजूदा भ्रम और ''अनिश्चितता की स्थिति'' समाप्त होनी चाहिए। होसबाले ने कहा, ''इस संबंध में हमें अपेक्षा है कि मंदिर प्रबंधन और सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) सभी आवश्यक कदम उठाएंगे।'' उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर पीढ़ियों के संघर्ष तथा करोड़ों रामभक्तों के ''समर्पण, त्याग और बलिदान'' के कारण पूरे हिंदू समाज की श्रद्धा, आस्था और भक्ति का केंद्र है।

विपक्ष का प्रधान न्यायाधीश को पत्र

लोकतत्र खतरे में, न्यायापालिका आखिरी उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

> विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि वर्ष 2014 के बाद निर्वाचन आयोग में हुई नियुक्तियों को लेकर लगातार संदेह पैदा हुआ है और आयोग का आचरण, विशेषकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त का रवैया, पक्षपातपूर्ण रहा है। चुनावी प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन आयोग का सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के प्रति खुला समर्थन दिखाई दिया और आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों में आयोग ने समान व्यवहार नहीं किया।

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी 'इंडि' गठबंधन के घटक दलों के नेताओं ने प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत को पत्र लिखकर कहा है कि ''देश का लोकतंत्र खतरे में'' है और जब सभी संस्थागत व्यवस्थाएं विफल हो जाती हैं, तब नागरिकों की आखिरी उम्मीद न्यायपालिका ही होती है। विपक्षी दलों ने इस पत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े कई मुद्दों का विस्तार से उल्लेख करते हुए अपनी चिंताओं से उन्हें अवगत कराया है। बीते 28 जून को लिखे गए इस पत्र पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित विपक्ष के 24 दलों के नेताओं ने हस्ताक्षर किए हैं। निर्दलीय राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने भी पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

विपक्षी नेताओं ने कहा कि वे सामान्य परिस्थितियों में न्यायपालिका को इस प्रकार का पत्र नहीं लिखते, लेकिन उन्हें लगता है कि देश का लोकतंत्र खतरे में है और इसलिए उन्हें यह असाधारण कदम उठाना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि संसद, न्यायपालिका, मीडिया और कार्यपालिका लोकतंत्र के प्रमुख स्तंभ हैं तथा इन संस्थाओं के बीच संतुलन और सहयोग से ही लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत रह सकती है। विपक्षी नेताओं ने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव को लोकतंत्र की बुनियाद बताते हुए कहा कि चुनावी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी जनता की वास्तविक इच्छा को प्रभावित कर सकती है।

पशिचम बंगाल विधानसभा में यूसीसी विधेयक अगस्त में पारित होगा : वरिष्ठ अधिकारी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक अगले माह पारित होगा। यह जानकारी शुक्रवार को राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को एक समिति के गठन को मंजूरी दी, जो यूसीसी विधेयक के मसौदे की जांच करेगी। समिति को चार सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट और सुझाव सरकार को देने होंगे। अधिकारी ने कहा, अगस्त देश के लिए कई महत्वपूर्ण घटनाओं का महीना है। अगस्त माह में ही 'भारत छोड़ो' आंदोलन शुरू हुआ था। भारत को आज़ादी भी अगस्त में ही मिली थी। खुदीराम बोस इसी महीने शहीद हुए थे। इस साल अगस्त में एक और महत्वपूर्ण घटना होगी। हम पश्चिम बंगाल विधानसभा में यूसीसी विधेयक पारित करेंगे। इस सप्ताह की शुरुआत में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में यूसीसी लागू करने की प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत की थी।

साल 2014 के बाद अब तक तीन राज्य उत्तराखंड, गुजरात और असम यूसीसी कानून अपना चुके हैं। पश्चिम बंगाल इसके बाद ऐसा करने वाला चौथा राज्य बनने जा रहा है। पश्चिम बंगाल के समान नागरिक संहिता विधेयक में शादी, तलाक, संपत्ति के बंटवारे (उत्तराधिकार) और गोद लेने जैसे मामलों में सभी समुदायों के लिए एक समान नागरिक कानून लागू करने के प्रावधान होंगे। इसके मुख्य प्रावधान उत्तराखंड और असम के यूसीसी कानूनों जैसे ही हैं। यूसीसी वर्ष 2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख चुनावी वादों में से एक था। भाजपा ने चुनाव जीतकर राज्य में तृणमूल कांग्रेस के 15 साल पुराने शासन का अंत किया।

सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भाजपा सरकार की प्राथमिकताओं में उद्योगों को बढ़ावा देना भी शामिल है। उन्होंने बताया कि हर महीने कम से कम दो नये उद्योग पश्चिम बंगाल में आ रहे हैं और यह सिलसिला आने वाले कई महीनों तक जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने 12 जून को कहा था कि उनकी सरकार टाटा समूह को फिर से पश्चिम बंगाल लाएगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सिंगूर की वह जमीन, जहां टाटा मोटर्स ने कार फैक्टरी लगाई थी, अब राज्य सरकार के पास नहीं है।

'यूजरनेम' फीचर से साइबर अपराध का गंभीर खतरा : आईटी सचिव कृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव एस. कृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने किसी अन्य व्यक्ति का रूप धारण करने (इम्पर्सनेशन) और ''साइबर अपराध की गंभीर'' आशंकाओं के मद्देनजर व्हाट्सऐप और अन्य संदेश मंचों से उनके 'यूजरनेम' फीचर पर स्पष्टीकरण मांगा है। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार ने इस सप्ताह व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और सिग्नल को 'यूजरनेम' फीचर को लेकर नोटिस जारी किए हैं। इस सुविधा के जरिये लोग अपना फोन नंबर साझा किए बिना संदेश मंच पर संवाद (चैट) सकते हैं। 'यूजरनेम' फीचर शुरू करने की योजना की घोषणा के कुछ ही दिन बाद मेटा के स्वामित्व वाले व्हाट्सऐप को सरकार ने नोटिस जारी कर पूछा कि उसके खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और संबंधित नियमों के तहत कार्रवाई क्यों न की जाए।

केंद्र सरकार ने कहा है कि इन मुद्दों पर उसकी संतुष्टि होने और परामर्श प्रक्रिया पूरी होने से पहले इस सेवा को लागू नहीं किया जाना चाहिए। टेलीग्राम और सिग्नल पर 'यूजरनेम' फीचर पहले से उपलब्ध है, उन्हें भी बाद में नोटिस जारी किए गए। भारत में व्हाट्सऐप के करीब 50 करोड़ उपयोगकर्ता हैं, जबकि टेलीग्राम की पहुंच इससे काफी कम है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव एस. कृष्णन ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के साइबर सुरक्षा सम्मेलन से इतर कहा, ''हमने 'यूजरनेम' का मुद्दा इसलिए उठाया है क्योंकि किसी अन्य व्यक्ति का रूप धारण करने की गंभीर आशंका है और यह साइबर अपराध करने के लिए प्रोत्साहन या सुविधा प्रदान करता है। यह बहुत गंभीर मामला है।'' उन्होंने कहा कि 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े एक मामले में उच्चतम न्यायालय भी इस विषय पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि 'यूजरनेम' फीचर साइबर अपराध किए जाने का ''एक और तरीका'' है। कृष्णन ने कहा, ''...इसी वजह से हमने व्हाट्सऐप को निर्देश दिया है कि वह बताए कि उसने यह फीचर क्यों पेश किया है और इसी तरह हमने अन्य मंचों से भी स्पष्टीकरण मांगा है। ''

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आत्मनिर्भर बनें

सुदृढ़ हो सारा अर्थतंत्र,
अपनी क्षमताओं को तोले।
अपने पुरुषार्थ पसीने से,
रुजगार बढ़े हौले-हौले।
भारत सक्षम होवे समर्थ,
भारतवासी निज पर खोले।
संदेश आत्मनिर्भरता का,
दे कर के सारे ही बोले।।

पांच महाद्वीपों के लोग चाहते हैं आरएसएस के स्वयंसेवक उनके देशों में प्रशिक्षण दें : भागवत

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को दावा किया कि ''पांच महाद्वीपों'' से लोग संघ का दौरा कर चुके हैं और उन्होंने पूछा है कि क्या संगठन के स्वयंसेवक संबंधित देशों में उनके लोगों को प्रशिक्षण देने में मदद कर सकते हैं। भागवत ने यहां कहा, ''समय- समय पर विदेशों से लोग आरएसएस के कार्य को देखने आते हैं। पांच महाद्वीपों के लोग यहां आ चुके हैं और उन्होंने पूछा है कि क्या आरएसएस के लोग उनके समाज में स्वयंसेवक तैयार करने के लिए उनके लोगों को प्रशिक्षण देंगे। वे जब भी यहां आते हैं, यही प्रश्न पूछते हैं।''

वह नागपुर में यूट्यूब वीडियो ''डॉ. हेडगेवार: आधुनिक युग के शालिवाहन'' के सार्वजनिक प्रसारण के मौके पर आयोजित एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम के दौरान भागवत ने संघ के शताब्दी समारोह के तहत आरएसएस के प्रचारकों के जीवन पर आधारित 100 वीडियो भी जारी किए। उन्होंने कहा, ''दुनिया का विश्वास है कि भारत उसे सही मार्ग दिखाएगा, लेकिन ऐसा तभी होगा जब भारत स्वयं उस मार्ग पर चले, शक्तिशाली बने और समृद्धि हासिल करे।'' भागवत ने कहा कि ऐसा होने के लिए आरएसएस को अपने शताब्दी वर्ष के दौरान अपने कार्यों का और अधिक विस्तार करना होगा। उन्होंने कहा कि ''समाज में अब आरएसएस के प्रति स्वीकार्यता और सम्मान बढ़ रहा है जबकि अपने शुरुआती वर्षों में संघ को जिस उपेक्षा का सामना करना पड़ा था वह अब धीरे-धीरे समाप्त हो रही है।'' उन्होंने कहा कि आरएसएस और उसके स्वयंसेवकों की सर्वोच्च प्राथमिकता ऐसे व्यक्तियों का निर्माण करना है जो समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा करने में सक्षम हों।

अभिविन्यास

कोलकाता में 18वीं पश्चिम बंगाल विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय अभिविन्यास (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के दौरान दीप प्रज्वलित करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू।

बैठक — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु शुक्रवार को रेसकोर्स रोड पर शक्ति भवन में ऊर्जा विभाग की प्रगति समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार। इस मौके पर ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज, सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश, अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता, रितेश कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार एलके अतीक, केपीटीसीएल के एमडी राम प्रसाद मनोहर, कर्नाटक विद्युत निगम के एमडी राजेंद्र चोलन और दूसरे अधिकारी मौजूद थे।

मुंबई में पांच घंटे में 70 मिमी से अधिक बारिश, आईएमडी ने चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुंबई में शुक्रवार को लगातार बारिश जारी रही और शहर के कई इलाकों में केवल पांच घंटे में 70 मिलीमीटर (मिमी) से अधिक वर्षा दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले 24 घंटों में 'तेज से बहुत तेज' बारिश का अनुमान जताया है। नगर निकाय अधिकारियों के अनुसार, सबसे अधिक 73.8 मिमी बारिश बांद्रा में हुई। इसके बाद प्रभादेवी में 72.2 मिमी, बांद्रा पश्चिम में 70.8 मिमी और परेल में 69.4 मिमी बारिश दर्ज की गयी। आईएमडी ने अगले 24 घंटों के दौरान शहर और उसके उपनगरों में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने बताया कि इसके साथ ही 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है।

शहर में शुक्रवार सुबह से लगातार बारिश हो रही है और बीच-बीच में तेज बारिश के कारण निचले इलाकों में पानी भर गया। अधिकारियों ने हालांकि बताया कि मेट्रो, उपनगरीय रेलवे और बेस्ट बस सेवाएं सामान्य रूप से जारी हैं लेकिन यात्रियों ने जाम और लोकल ट्रेनों के देरी से चलने की शिकायत की। अधिकारियों के अनुसार, मुंबई में बृहस्पतिवार मध्यरात्रि के बाद से ही लगातार भारी बारिश हो रही है। उन्होंने बताया कि दादर, अंधेरी, गोरेगांव और परेल जैसे निचले इलाकों में जलभराव हुआ था, लेकिन सुबह तक पानी उतर गया। सुबह के शुरुआती घंटों में बारिश की तीव्रता कम हो गई थी लेकिन सुबह आठ बजे के बाद मुंबई के कुछ हिस्सों में फिर से बारिश तेज हो गई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अनुसार, शुक्रवार सुबह आठ बजे तक के 24 घंटे के दौरान शहर में 100 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। नगर निकाय ने बताया कि सबसे अधिक 150.2 मिमी बारिश वाडी बंदर क्षेत्र में दर्ज की गई। इसके बाद मालाबार हिल में 145.8 मिमी और सैंडहर्स्ट रोड क्षेत्र में 140.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। बीएमसी के अनुसार, पश्चिमी उपनगरों में अंधेरी स्थित मालपा डोंगरी नगर निगम विद्यालय में 136.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, पूर्वी उपनगरों में सबसे अधिक 124 मिमी वर्षा पवई क्षेत्र में दर्ज की गई।

अल नीनो से वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल मौसम का खतरा बढ़ा : डब्ल्यूएमओ

नई दिल्ली/भाषा। प्रशांत महासागर के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में आने वाले महीनों में अल नीनो की स्थिति मजबूत होने के आसार है, जिससे दुनिया के कई हिस्सों में लू, सूखा, भारी वर्षा आदि का खतरा बढ़ जाएगा। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। डब्ल्यूएमओ ''वैश्विक सामयिक जलवायु'' रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जुलाई-सितंबर के दौरान अल नीनो' तेजी से मजबूत होगी। 'अल नीनो अल नीनो दक्षिणी दोलन'(ईएनएसओ) के तीन चरणों में से एक है। यह ऐसी मौसमी घटना है जिसमें मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में समुद्र के तापमान में बदलाव होता है और साथ ही वायुमंडल में भी उतार-चढ़ाव आते हैं। जहां अल नीनो का धरती पर तापमान बढ़ाने वाला असर होता है, वहीं इसके उलट ला नीना आमतौर पर तापमान कम करने वाला असर डालता है। ईएनएसओ का एक तटस्थ चरण भी होता है।

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने अमरनाथ यात्रियों को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को 57 दिवसीय अमरनाथ यात्रा शुरू होने के मौके पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। तीर्थयात्रियों को लिखे दो पन्नों के पत्र में, मोदी ने उनसे पांच संकल्प लेने का आग्रह किया, जिसमें स्वच्छता बनाए रखना और जम्मू-कश्मीर में स्थानीय व्यवसायों का समर्थन करके 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को बढ़ावा देना शामिल है। उन्होंने श्रद्धालुओं से तीर्थयात्रा के दौरान सुरक्षा और यातायात आवाजाही से जुड़े निर्देशों का पालन करने के लिए भी कहा। यह उल्लेख करते हुए कि यात्रा का समापन रक्षा बंधन पर होगा, उन्होंने तीर्थयात्रियों से हरियाली को बढ़ावा देने के लिए अपने भाई-बहनों को एक पौधा उपहार में देने को कहा। उन्होंने 'राष्ट्र प्रथम' के विचार पर भी जोर दिया और भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में योगदान देने का आह्वान किया। अमरनाथ यात्रा 2026, शुक्रवार से शुरू हो गई है और यह 28 अगस्त को समाप्त होगी। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज से शुरू हो रही श्री अमरनाथ जी यात्रा के अवसर पर, मैं इस पवित्र तीर्थयात्रा पर जाने वाले सभी भक्तों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देता हूँ।''

शिवकुमार बताएं केआरएस बांध से तमिलनाडु के लिए अब तक कावेरी का कितना जल छोड़ा गया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार से कृष्णराज सागर (केआरएस) बांध से तमिलनाडु को अब तक दिये गये कावेरी के जल की जानकारी देने की मांग की। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस और तमिलनाडु में मुख्यमंत्री सी. विजय जोसेफ के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार के बीच राजनीतिक गठबंधन के कारण केआरएस से पानी छोड़ा गया। तमिलनाडु में टीवीके की सरकार में कांग्रेस भी शामिल है।

विजयेंद्र ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में देश में कम वर्षा के पूर्वानुमान के मद्देनजर राज्य के किसानों से फसल बोने से पहले अपने विवेक का इस्तेमाल करने की मुख्यमंत्री शिवकुमार की सलाह की आलोचना की। मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक के किसानों से अपील की थी कि वे बुवाई करने से पहले एक बार फिर विचार करें, क्योंकि केंद्र सरकार पहले ही घोषणा कर चुकी है कि कमजोर मानसून के कारण देश में कम वर्षा होने की संभावना है। विजयेंद्र ने कहा, मुख्यमंत्री को आज राज्य के किसानों को यह बताना चाहिए कि पिछले दो महीनों में केआरएस, अलमट्टी और नारायणपुर जलाशयों से कितना पानी छोड़ा गया है। भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष ने स्वीकार किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने भी वर्षा को लेकर चिंताजनक तस्वीर पेश की है और कहा कि मुख्यमंत्री को किसानों को बुवाई न करने की सलाह देने के बजाय उनकी मदद के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को जलाशयों में पानी का संरक्षण करना चाहिए। विजयेंद्र ने पूछा कि क्या शिवकुमार ने महाराष्ट्र के अपने समकक्ष से बात की और वहां से कर्नाटक के लिए पानी छोड़े जाने को लेकर कोई व्यवस्था की। उन्होंने आरोप लगाया, इनमें से कुछ भी किए बिना आपने अपनी इच्छा के अनुसार हमारे जलाशयों से पानी छोड़ दिया।

जेएसडब्ल्यू स्टील ने आंध्र प्रदेश में 16,350 करोड़ रुपये की इस्पात परियोजना का काम किया शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जेएसडब्ल्यू स्टील ने आंध्र प्रदेश में 16,350 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से 20 लाख टन क्षमता वाले इस्पात संयंत्र की परियोजना का काम शुरू कर दिया है। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि यह परियोजना उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी जेएसडब्ल्यू रायलसीमा स्टील लिमिटेड के माध्यम से दो चरणों में स्थापित की जाएगी।

जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि उसने आंध्र प्रदेश में रायलसीमा इस्पात परियोजना पर काम शुरू कर दिया है। पहले चरण में 4,500 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश से 10 लाख टन सालाना (एमटीपीए) क्षमता वाला एकीकृत इस्पात संयंत्र स्थापित किया जाएगा, जहां कम कार्बन उत्सर्जन वाले इस्पात उत्पादों का निर्माण होगा। कंपनी ने कहा कि दूसरे चरण में 11,850 करोड़ रुपये तक के अतिरिक्त प्रस्तावित निवेश से क्षमता बढ़ाकर 20 लाख टन प्रति वर्ष की जाएगी। इसके साथ ही परियोजना में कुल निवेश 16,350 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। यह परियोजना इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) प्रौद्योगिकी पर आधारित होगी, जिसमें कच्चे माल के रूप में स्क्रैप और उच्च गुणवत्ता वाले डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन' (डीआरआई) का उपयोग कर संरचनात्मक इस्पात का उत्पादन किया जाएगा।

मराठवाड़ा में एक जून से अब तक बारिश के कारण आठ मौतें हुईं

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में एक जून से अब तक बारिश से जुड़ी घटनाओं में आठ लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि छत्रपति संभाजीनगर और नांदेड़ में तीन-तीन तथा परभणी में दो लोगों की जान गई। उन्होंने आधिकारिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि इस अवधि में मराठवाड़ा में बारिश के कारण 181 पशुओं की भी मौत हुई है। इनमें नांदेड़ में 81 और हिंगोली में 31 पशुओं की मौत हुई। अधिकारी ने बताया कि बारिश के कारण 195 कच्चे मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके अलावा 484.45 हेक्टेयर कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है, जिसमें 456.70 हेक्टेयर क्षेत्र में फलों की बागवानी शामिल है। उन्होंने कहा कि एक जून से अब तक मराठवाड़ा क्षेत्र में 130.9 मिलीमीटर वर्षा हुई है।

दपरे के महाप्रबंधक ने मैसूर रेलवे स्टेशन और सेंट्रल वर्कशॉप का किया निरीक्षण

मैसूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पी. अनंत ने मुख्य यांत्रिक इंजीनियर नाविद तालिब, मैसूरु डिवीजन के डीआरएम शम्मास हमीद, मैसूर वर्कशॉप के मुख्य वर्कशॉप प्रबंधक संदीप कुमार वर्मा और उप मुख्य वर्कशॉप प्रबंधक भेष दत्त के साथ मैसूर स्थित सेंट्रल वर्कशॉप का विस्तृत निरीक्षण किया। दौरे के दौरान, महाप्रबंधक ने व्हील शॉप, बोगी रिपेयर शॉप, कैरिज बॉडी रिपेयर और हेवी कोरोजन शॉप, एयर ब्रेक और -सी शॉप, तथा पेंट और ट्रिमिंग शॉप सहित कई महत्वपूर्ण शॉप्स का निरीक्षण किया।

अर्जुन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट के 7वें संस्करण में खिलाड़ियों ने दिखाया जोश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मार्शल ऑफ़ द एयर फोर्स अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट का 7वां संस्करण 23 जून से 3 जुलाई तक एयर फोर्स स्टेशन जलाहल्ली के अमित सिंह बख्शी हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन एयर ऑफिसर-इन-चार्ज एडमिनिस्ट्रेशन एयर मार्शल एस शिवकुमार ने किया। इसमें कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया। समापन

समारोह के मुख्य अतिथि ट्रेनिंग कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल सीथेपल्ली श्रीनिवास थे। इस अवसर पर डायरेक्टर जनरल (एडमिनिस्ट्रेशन) एयर मार्शल पीसीपी आनंद भी मौजूद थे। फ़ाइनल मैच एयर फ़ोर्स और नेवी के बीच खेला गया। एयर फ़ोर्स ने इसे 2-1 गोल से जीता। सार्जेंट आनंद लाकड़ा और अग्निवीर आज्ञापाल को क्रमशः 'मैन ऑफ़ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट' घोषित किया गया। विजेता और उपविजेता टीमों को मेडल और ट्रॉफ़ी के साथ-साथ क्रमशः 10 लाख और 8 लाख रुपए का नकद पुरस्कार भी दिया गया। मुख्य अतिथि ने जाने-माने अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी पीआर श्रीजेश और अन्य दिग्गज खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स में कथित डेटा सेंध की जांच जारी : आईटी सचिव

नई दिल्ली/भाषा। सरकार टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स में कथित डेटा सेंध की जांच कर रही है। साथ ही इस घटना की सूचना भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (आईसीईआरटी) को भी दे दी गई है। इस कथित साइबर हमले में एप्पल के अभी तक जारी नहीं किए गए आईफोन 18 प्रो मॉडल से जुड़ी संवेदनशील जानकारी के उजागर होने की खबर है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के साइबर सुरक्षा सम्मेलन से इतर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव एस. कृष्णन ने टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़े कथित साइबर हमले के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, ''हम इसकी जांच कर रहे हैं... इसकी सूचना आईसीईआरटी को दे दी गई है।'' कृष्णन ने यह टिप्पणी उस खबर के बाद की जिसमें दावा किया गया था कि एप्पल के आपूर्तिकर्ता टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स से कथित तौर पर डेटा चोरी करने वाले एक रैनसमवेयर समूह ने कलपुर्जों और आपूर्तिकर्ताओं से जुड़ी जानकारी के साथ-साथ आईफोन 18 प्रो मॉडल की तस्वीरें भी डार्क वेब पर डाल दीं। आईसीईआरटी कंप्यूटर सुरक्षा से जुड़ी घटनाओं से निपटने वाली देश की नोडल एजेंसी है।

अन्ना हजारे ने महाराष्ट्र के नए आरटीआई नियमों पर रोक का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने महाराष्ट्र सरकार के आरटीआई नियमों में किए गए संशोधनों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने के फैसले का शुक्रवार को स्वागत किया। इसके साथ ही, उन्होंने जोर दिया कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रस्तावित दिशानिर्देशों को स्थायी रूप से वापस ले लिया जाना चाहिए।

उन्होंने नए नियमों के कारण पांच जुलाई से अपने अनिश्चितकालीन अनशन को टालने की भी घोषणा की। महाराष्ट्र सूचना का अधिकार (आरटीआई) नियम, 2026 में कई बदलावों का प्रस्ताव किया गया था, जिनमें आरटीआई आवेदन शुल्क बढ़ाना, पहचान का प्रमाण अनिवार्य करना और यह शर्त शामिल थी कि हर आवेदन में केवल एक ही विषय से जुड़ी जानकारी मांगी जाए। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त को आरटीआई के नए अधिसूचित नियमों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने का निर्देश दिया। अहिल्यानगर जिले के अपने पैतृक गांव रालेगण सिद्धि से जारी एक बयान में हजारे ने महाराष्ट्र के लोगों, विशेष रूप से स्थानीय नागरिकों को एकजुट, शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक अभियान चलाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि जनता के दबाव के कारण ही सरकार को आरटीआई नियमों के क्रियान्वयन पर रोक लगानी पड़ी।

नेपाल में भारत की मदद से पुनर्निर्मित बौद्ध मठ को यूनेस्को ने पुरस्कृत किया

काठमांडू/नई दिल्ली/भाषा। नेपाल में 2015 में आए भूकंप में क्षतिग्रस्त और भारत की मदद से पुनर्निर्मित 17वीं सदी के एक बौद्ध मठ को संयुक्त राष्ट्र की विरासत संरक्षण एजेंसी यूनेस्को ने पुरस्कृत किया है। काठमांडू के बाहरी इलाके ललितपुर स्थित जेष्ठ वर्ण महाविहार को बृहस्पतिवार को एक समारोह में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की ओर से पुरस्कार दिया गया। नेपाल में यूनेस्को के प्रतिनिधि जैको डु टोइट ने ललितपुर में आयोजित समारोह में 2025 यूनेस्को एशिया-प्रशांत सांस्कृतिक विरासत संरक्षण पुरस्कार के तहत धातु की एक पट्टिका और आधिकारिक प्रमाणपत्र जेष्ठ वर्ण महाविहार उपयोगकर्ता समिति को सौंपा। काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने एक बयान में कहा कि 2015 के भूकंप के बाद भारत सरकार द्वारा दी गई सहायता के तहत 13.78 करोड़ नेपाली रुपये की लागत से जेष्ठ वर्ण महाविहार का पुनर्निर्माण किया गया। इस समारोह में भारतीय दूतावास के उप मिशन प्रमुख राकेश पांडेय और नेपाल के कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

प्रीति जिंटा ने डीपफेक, एआई से तैयार सामग्री के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया

मुंबई/भाषा। अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने विभिन्न सोशल मीडिया और ऑनलाइन मंचों पर प्रसारित डीपफेक, एआई से तैयार तस्वीरों तथा अन्य सामग्रियों को हटाने का अनुरोध करते हुए बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है। जिंटा ने अदालत से यह भी अनुरोध किया कि उनकी अनुमति के बिना उनसे संबंधित ऐसी सामग्री पोस्ट किए जाने पर रोक लगाने का आदेश जारी किया जाए। न्यायमूर्ति माधव जामदार की एकल पीठ ने शुक्रवार को मामले में संक्षिप्त दलीलें सुनने के बाद विभिन्न ऑनलाइन मंच समेत संबंधित पक्षों को वेबसाइट से आपत्तिजनक सामग्री हटाने के लिए एक प्रभावी तंत्र विकसित करने का निर्देश दिया। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए छह जुलाई की तारीख तय की। अपनी याचिका में जिंटा ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार वीडियो, तस्वीरों और अन्य सामग्रियों का उल्लेख किया है। उन्होंने अदालत से तत्काल आदेश जारी कर संबंधित वेबसाइट और ऑनलाइन मंचों को ऐसी सामग्री तुरंत हटाने का निर्देश देने का अनुरोध किया है।

आर. अशोक ने मेकेदातु परियोजना को लेकर मुख्यमंत्री शिवकुमार की 'चुप्पी' पर सवाल उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता आर. अशोक ने शुक्रवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कावेरी नदी पर प्रस्तावित मेकेदातु बांध परियोजना के लिए कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई की 'एक भी ईंट नहीं रखने देने' की चेतावनी पर उन्होंने 'चुप्पी' साध रखी है। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता अशोक ने सवाल किया कि क्या शिवकुमार तमिलनाडु में गठबंधन की राजनीति के डर से चुप हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उनमें हिम्मत है, तो वह अभी चेन्नई जाएं और कांग्रेस के कार्यालय के सामने भूख हड़ताल करें। तमिलनाडु में कांग्रेस, तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार का हिस्सा है।

अशोक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में सवाल किया, जो डी. के. शिवकुमार कभी राजनीतिक सत्ता हासिल करने के लिए मेकेदातु पदयात्रा का नाटक करते थे, वही अब कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई के सामने चुप्पी क्यों साधे हुए हैं? उन्होंने पूछा, मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, चुनाव से पहले आपने सत्ता हासिल करने के लिए मेकेदातु मार्च का राजनीतिक नाटक किया था। अब आपने चुप रहने का फैसला क्यों किया है? तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी ने कावेरी जल विवाद पर सख्त रुख दोहराते हुए बृहस्पतिवार को चेतावनी दी कि तमिलनाडु की स्पष्ट सहमति के बिना वह कर्नाटक को मेकेदातु बांध परियोजना के लिए एक भी ईंट नहीं रखने देगी।

महापुण्यस्मरण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को बेंगलूरु साउथ जिले के कनकपुरा मंदिर में हुए श्री मुम्मदी निर्वाण महा स्वामीजी के महापुण्यस्मरण कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौकेपर मैसूरु सुत्तूर मठ के श्री डॉ. शिवरात्रि देशिकेंद्र स्वामीजी, तुमकुर सिद्धगंगा मठ के श्री सिद्धलिंग स्वामीजी, नॉनविनाकेरे कडासिद्धेश्वर मठ के श्री करिवृषभ देशिकेंद्र शिवाचार्य स्वामीजी, बेलीमट के शिवरुद्र स्वामीजी, मंदिर मठ के डॉ. चन्नबसव स्वामीजी, पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा, केंद्रीय मंत्री वी सोमन्ना, बामुल के प्रेसिडेंट डीके सुरेश, विधायक गणेश प्रसाद, शिवगंगा, विधान परिषद सदस्य एस रवि, पूर्व विधायक अन्नादानी व अन्य वरिष्ठ जन उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 6-11 जुलाई तक इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 6 से 11 जुलाई तक तीन देशों इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एमईए ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य इन तीनों देशों के साथ भारत के संबंधों को और प्रगाढ़ करना है।

यात्रा के पहले चरण में प्रधानमंत्री इंडोनेशिया जाएंगे। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करेंगे, जहां उनके प्रमुख कार्यक्रम मेलबर्न में आयोजित होंगे। वह अपनी यात्रा के अंतिम चरण में न्यूजीलैंड जाएंगे। विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) रुद्रेन्द्र टंडन ने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा विशेष महत्व की होगी, क्योंकि यह लगभग 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी। इससे पहले दिन में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री मोदी अगले सप्ताह न्यूजीलैंड की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा करेंगे।

लक्सन ने सोशल मीडिया पर कहा, ''मुझे यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले सप्ताह न्यूजीलैंड की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा करेंगे।'' हालांकि, उन्होंने यात्रा की तारीख का खुलासा नहीं किया। उन्होंने भारत को दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बताते हुए कहा कि न्यूजीलैंड की आर्थिक समृद्धि के लिए भारत अत्यंत महत्वपूर्ण है। लक्सन ने कहा, ''अप्रैल में हस्ताक्षरित न्यूजीलैंड-भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के माध्यम से हम दोनों देशों के संबंधों को अगले स्तर पर ले जा रहे हैं। इससे न्यूजीलैंड में अधिक रोजगार, निर्यात में वृद्धि और मजबूत आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित होगी।'' उन्होंने कहा कि ''यह समझौता नए अवसरों के द्वार खोलेगा और न्यूजीलैंड की वस्तुओं एवं सेवाओं के लिए 1.4 अरब लोगों के बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि इससे न्यूजीलैंड के समुदायों में अधिक धन आएगा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और मजदूरी में वृद्धि होगी।''

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के खिलाफ मानहानिकारक टिप्पणी के आरोप में पूर्व मंत्री राधाकृष्णन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तूतीकोरिन। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ कथित मानहानिकारक टिप्पणी से जुड़े मामले में मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के पूर्व मंत्री अनीता आर. राधाकृष्णन को शुक्रवार को यहां गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि राधाकृष्णन यहां से करीब 23 किलोमीटर दूर आत्तूर के दौरे पर थे तभी उन्हें गिरफ्तार कर वहां खड़ी पुलिस जीप तक ले जाया गया। राधाकृष्णन के समर्थक मौके पर एकत्र हो गए और उन्होंने पुलिस की कार्रवाई की निंदा करते हुए नारे लगाए।

द्रमुक अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में निरीक्षण कर रहे राधाकृष्णन की गिरफ्तारी को लेकर जल्दबाजी पर सवाल उठाया और दावा किया कि सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने एक विधायक की कथित संलिप्तता वाले सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पीड़ित महिला की शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की है। पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''इतनी जल्दबाजी क्यों? क्या यही वह बदलाव है, जिसे हत्याएं, लूटपाट और महिलाओं के खिलाफ यौन अपराध रोकने में नाकाम तथा दूसरे दलों के सदस्यों को अपने साथ जोड़ने में व्यस्त यह सरकार सुनिश्चित करना चाहती है?''

स्टालिन ने सवाल किया कि अगर मानहानि के मामलों में गिरफ्तारियां की जाएंगी, तो अपने भाषणों के लिए कितने मंत्रियों को गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री को लगता है कि वह उन्हें वोट देने वाले लोगों के लिए कोई अच्छा काम किए बिना, विधायकों की खरीद-फरोख्त के सहारे अपनी कुर्सी बचा सकते हैं और उनकी आलोचना करने वाले विपक्षी दल के सदस्यों को गिरफ्तार कराकर समय बिता सकते हैं। अहंकार विनाश का मार्ग है।''

द्रमुक सांसद कनिमोई ने भी गिरफ्तारी की निंदा की और 'एक्स' पर कहा कि पार्टी ऐसी ''दमनकारी रणनीति'' के आगे नहीं झुकेगी।

तिरुचेंदूर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले राधाकृष्णन ने 20 जून को मुख्यमंत्री के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणियां की थीं, जिसके बाद टीवीके ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने बताया कि विधायक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 352 (शांति भंग कराने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और धारा 353(2) (सार्वजनिक शांति को नुकसान पहुंचाने वाले बयान देना) के तहत मामले दर्ज किए गए। न्यायमूर्ति जी. के. इलंथिरैयन ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए मौखिक टिप्पणी की थी कि राधाकृष्णन को विधानसभा सदस्य होने के नाते ऐसे बयान नहीं देने चाहिए थे।

बैठक

ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग की योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा बैठक शुक्रवार को सचिवालय में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीण विकास एवं जल संसाधन मंत्री एन. आनंद, वित्त, योजना एवं विकास मंत्री एन. मारिया विल्सन, मुख्य सचिव डॉ. एम. साईकुमार (आवधिकारिक सहायक सचिव), वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एम. असिथिक (आवधिकारिक सहायक सचिव), ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग के सचिव प्रशांत एम. वदनेरे (आवधिकारिक सहायक सचिव) और अन्य विभागों के प्रमुख उपस्थित थे।

मद्रास हाईकोर्ट का बड़ा फैसला :

'जन नायकन' पायरेसी केस में दो आरोपियों की जमानत खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय की फिल्म 'जन नायकन' को लेकर चल रहा विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। अब इसके पायरेसी मामले में मद्रास हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए दो आरोपियों की जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया है। सुनवाई के दौरान चेन्नई साइबर क्राइम पुलिस ने कोर्ट को बताया कि फिल्म 'जन नायकन' का पायरेटेड वर्जन अब तक करीब 1.2 करोड़ यानी 12 मिलियन लोगों द्वारा देखा जा चुका है। बता दें कि यह फिल्म अभी तक आधिकारिक रूप से सिनेमाघरों में रिलीज भी नहीं हुई है और इसे सेंसर बोर्ड से अंतिम मंजूरी भी नहीं मिली है। यह मामला तब शुरू हुआ जब केवीएन प्रोडक्शंस ने फिल्म के ऑनलाइन लीक होने की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद चेन्नई साइबर क्राइम पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और इस पूरे पायरेसी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 21 लोगों पर मामला दर्ज किया। जांच के दौरान कई आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया, जबकि दो आरोपी अब भी फरार बताए जा रहे हैं। इन्हीं गिरफ्तार आरोपियों में रजनी और जयप्रकाश ने मद्रास हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। जब यह मामला न्यायमूर्ति सी. कुमारप्पन के समक्ष सुनवाई के लिए आया, तो पुलिस ने अदालत के सामने पूरे मामले की गंभीरता को विस्तार से रखा।

पुलिस ने अदालत को बताया कि इस नेटवर्क के पीछे काम करने वालों ने पहले फिल्म की डिजिटल फाइलें हासिल कीं और फिर उन्हें अलग-अलग माध्यमों से जोड़कर एक पूरा पायरेटेड वर्जन तैयार किया। इसके बाद इसे इंटरनेट पर अपलोड किया गया, जहां से यह तेजी से पायरेसी वेबसाइट्स और प्लेटफॉर्म्स तक पहुंच गया। यह पूरा ऑपरेशन इतनी तेजी से हुआ कि फिल्म के रिलीज से पहले ही करोड़ों लोग इसे देख चुके थे। सरकारी पक्ष ने यह भी दलील दी कि इस मामले में अभी जांच पूरी नहीं हुई है और कई अहम सबूतों की जांच बाकी है। इसी आधार पर पुलिस ने आरोपियों को जमानत देने का विरोध किया। अदालत ने पुलिस की इन दलीलों को गंभीरता से लेते हुए दोनों आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। यह पूरा मामला 9 अप्रैल 2026 की रात से शुरू हुआ था, जब 'जननायकन' के कुछ क्लिप्स और बाद में पूरी फिल्म इंटरनेट पर लीक हो गई थी। इसके बाद प्रोडक्शन हाउस ने तुरंत हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और अवैध स्ट्रीमिंग रोकने के लिए आदेश हासिल किया। कोर्ट ने इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स को भी निर्देश दिए थे कि वे ऐसी वेबसाइट्स और लिंक को ब्लॉक करें, जहां फिल्म अवैध रूप से उपलब्ध थी।

'एक विधायक के साथ सरकार नहीं बन सकती', द्रमुक ने 'हॉर्स ट्रेडिंग' आरोपों को बताया साजिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके-द्रमुक) के प्रवक्ता टीकेएस इलांगोवन ने टीवीके विधायक को तोड़ने की कोशिशों के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि यह एक साजिश है और विरोधी यह साबित करना चाहते हैं कि हम हॉर्स ट्रेडिंग (विधायकों की खरीद-फरोख्त) कर रहे हैं। टीकेएस इलांगोवन ने कहा, वे (टीवीके) यह कैसे कह सकते हैं कि डीएमके हॉर्स ट्रेडिंग में शामिल है? वे बस एक मामला बना रहे हैं।

डीएमके एक विधायक को क्यों खरीदेगी? इसका क्या फायदा है? उन्होंने कहा, हम मुख्य विपक्षी पार्टी हैं। हम सिर्फ एक विधायक के साथ सरकार नहीं बना सकते हैं और न ही वह एक विधायक टीवीके प्रमुख विजय को हराने वाला है। फिर एक विधायक को खरीदने का क्या मकसद है? वे साजिश रच रहे हैं और साबित करना चाहते हैं कि हम हॉर्स ट्रेडिंग कर रहे हैं।

टीकेएस इलांगोवन ने कहा, उन्होंने (टीवीके) 35 करोड़ रुपए की बात कही है। 35 करोड़ रुपए खर्च करने का क्या मकसद है? उसे अपने पद से इस्तीफा देना होगा। हमें उसके चुनाव के लिए फिर से पैसा खर्च करना होगा। इन सब चीजों का क्या मकसद है? वे बस द्रमुक पर यह आरोप लगाना चाहते हैं कि वे हॉर्स ट्रेडिंग में शामिल हैं।

एआईएडीएमके के डीएमके के साथ हाथ मिलाने की खबरों पर टीकेएस इलांगोवन ने कहा, ये सरासर झूठ हैं। टीवीके किसी राजनीतिक पार्टी की तरह काम नहीं कर रही है। यह झूठ पर टिकी एक 'सिनेमा पार्टी' की तरह व्यवहार कर रही है। डीएमके और एआईएडीएमके मिलकर सरकार कैसे बना सकते हैं? 50 से अधिक सालों से ये दोनों पार्टियां राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रही हैं और तमिलनाडु में बारी-बारी से सत्ता में रही हैं। यह दावा पूरी तरह से बेबुनियाद है।

करूर भगदड़ : टीवीके नेताओं के बयानों पर रोक लगाने के अनुरोध को लेकर द्रमुक ने न्यायालय का रुख किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय समेत तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के नेताओं की करूर भगदड़ के संबंध में सार्वजनिक रूप से बयानबाजी पर रोक लगाये जाने का अनुरोध किया गया है। करूर में भगदड़ की घटना में 41 लोगों की मौत हो गई थी। द्रमुक के संगठन सचिव आर एस भारती ने याचिका दायर कर लंबित मामले में स्वयं को पक्षकार बनाये जाने का अनुरोध किया है। याचिका में कहा गया है कि इस मामले में जिन कई लोगों के खिलाफ शुरू में आरोपपत्र दायर किया गया था, वे 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद अब तमिलनाडु मंत्रिमंडल में मंत्री हैं।

याचिका में तमिलनाडु के मंत्री आधव अर्जुन द्वारा बृहस्पतिवार को दिए गए एक सार्वजनिक बयान का उल्लेख किया गया है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि करूर घटना को लेकर ''हिसाब चुकता करना'' बाकी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि द्रमुक की पिछली सरकार ने पुलिस के जरिये करूर में ''लोगों की हत्या'' की थी। याचिका में अनुरोध किया गया है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को निर्देश दिया जाए कि वह अर्जुन द्वारा दिए गए सार्वजनिक बयानों के संबंध में शिकायत दर्ज कर गवाहों को प्रभावित करने, सबूतों से छेड़छाड़ करने तथा जांच में बाधा डालने के आरोपों में कार्रवाई करे।

भारती ने दावा किया कि मुख्यमंत्री विजय 10 जुलाई को करूर जाने वाले हैं, जहां वह भगदड़ की घटना के पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात करेंगे और अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति के आदेश समेत सरकार की ओर से दी जाने वाली विभिन्न सहायता सौंपेंगे। याचिका में कहा गया है, जांच अभी लंबित है और तब यदि उस मामले से जुड़े लोग या सरकार के मंत्री/नेता गवाहों से सीधे मिलते हैं, खासकर जब वे उसी घटना से जुड़ी सहायता बांट रहे हों, तो इससे जांच निष्पक्ष रहने के बारे में आशंका पैदा होती है।

शीर्ष अदालत ने पहले करूर भगदड़ की जांच सीबीआई को सौंपते हुए कहा था कि यह घटना अंतरात्मा को झकझोर देने वाली है और इसके लिए निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच आवश्यक है।

मुलाकात

चेन्नई में शुक्रवार को सचिवालय में पॉलीमर टेलीविजन के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक पी.वी. कल्याणसुंदरम, निदेशक वरुण कल्याणसुंदरम और रोहिणी वरुण ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय से मुलाकात की।

बेंगलूरु खदान हादसा : पुलिस ने क्रशर यूनिट के मालिक समेत तीन लोगों को किया गिरफ्तार

बेंगलूरु। कर्नाटक पुलिस ने शुक्रवार को बेंगलूरु खदान हादसा से जुड़े मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। यह हादसा गुरुवार सुबह तड़के बेंगलूरु दक्षिण तालुक के मदपट्टना स्थित क्रशर यूनिट में हुआ। इस घटना में सात मजदूरों की मौत हुई थी, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। इस घटना को लेकर मजदूर गोपीकृष्णन की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। सेंट्रल जोन के आईजीपी एस. गिरीश ने बताया कि यह हादसा अलग-अलग मालिकों की दो आसपास की खदानों से जुड़ा है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान साई राम क्रशर के मालिक पांडुरंगा, खदान के इंचार्ज लोकेश और स्थानीय इंचार्ज राजू के तौर पर हुई है। पुलिस के अनुसार, तीनों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पांडुरंगा ने बसवेश्वरा क्रशर को लीज पर लिया था और खदान चला रहा था। जांच के सिलसिले में पुलिस कावेरी क्रशर के मालिक उदय शंकर और बसवेश्वरा क्रशर के मालिक डी. आनंदस्वामी से भी पूछताछ कर सकती है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पत्थर की खदान में सात मजदूरों की मौत जिस बड़े पत्थर (बोल्डर) के नीचे दबकर हुई, उसे ऊपर स्थित दूसरी खदान में चल रही एक जेसीबी मशीन ने धक्का दिया था।

वहीं, हादसे में बाल-बाल बचे तमिलनाडु के मजदूर गोपी ने आरोप लगाया कि ऊपरी खदान में काम करने वाले मजदूरों ने पत्थर हटाने से पहले नीचे काम कर रहे लोगों को चेतावनी नहीं दी थी। पत्थर गिरने से कई लोग चट्टानों के नीचे दब गए। पुलिस ने बताया कि कुछ शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए थे और उन्हें पहचानना नामुमकिन था। साइट पर मौजूद एक ट्रैक्टर, एक टिपर और अन्य भारी मशीनरी को भी भारी नुकसान पहुंचा। बाद में मृतकों की पहचान रामू, राजपाल सिंह, सत्यनारायण सिंह, राम अवतार सिंह, राजेंद्र प्रसाद, नूहार और भुवनेश्वर सिंह के तौर पर हुई। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में से एक कर्नाटक के यादगीर जिले का रहने वाला था, जबकि बाकी मध्य प्रदेश के थे।

तमिलनाडु के मंदिरों में अनियमितताओं, गड़बड़ियों की सूचना दें : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री एस. रमेश ने शुक्रवार को लोगों से अपील की कि वे विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण वाले मंदिरों में अनियमितताओं, नौकरी के बदले पैसे मांगे जाने और अन्य गड़बड़ियों की सूचना दें। मंत्री ने हाल में तिरुचेंदूर के एक मंदिर के निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं को शीघ्र दर्शन कराने के लिए मंदिर कर्मचारियों की संलिप्तता वाले एक अवैध लेन-देन का खुलासा किया था। उन्होंने लोगों से अपनी शिकायतें सबूत के साथ ई-मेल करने को कहा। रमेश ने कहा कि लोग राज्य में विभाग के नियंत्रण वाले मंदिरों में अनियमितताओं, अवैध रूप से पैसे लेने, मंदिरों के जीर्णोद्धार और मंदिरों में नौकरी दिलाने के नाम पर रिश्वत मांगने समेत अन्य गड़बड़ियों की जानकारी उन्हें दे सकते हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं आपको बताना चाहता हूं कि मैं और मेरा कार्यालय इन शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करने के लिए कदम उठाएंगे।'' मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय द्वारा स्वच्छ और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन मुहैया कराने का आश्वासन दिए जाने के बाद रमेश ने यह अपील की। सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार ने जून में मंदिरों से जुड़ी 46 परियोजनाओं की प्रशासनिक मंजूरी रद्द करते हुए कहा था कि मंदिरों की धनराशि का इस्तेमाल वाणिज्यिक परियोजनाओं के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इन परियोजनाओं को पिछली द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार ने मंजूरी दी थी।

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)
(मानव संसाधन प्रभाग -II)

मुख्य कार्यालय, द्वार सं.10
(पूर्वी द्वार), जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम
लोधी रोड़, नई दिल्ली – 110003

File No. 01-04001(02)/2/2026-66 Date: 25-06-2026

एलपीडी माइनस पेंशन आधार पर जूनियर इंजीनियर पद हेतु नियुक्ति

भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI), जो युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय है, एलपीडी माइनस पेंशन आधार पर जूनियर इंजीनियर के एक (01) पद पर नियुक्ति हेतु पात्र सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।

ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की समय-सारणी निम्नानुसार है:-

- ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि: 25.06.2026
- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 24.07.2026

विस्तृत विज्ञापन, पात्रता शर्तें, नियुक्ति के नियम एवं शर्तें, आवेदन प्रपत्र तथा अन्य आवश्यक निर्देश भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइट www.sportsauthorityofindia.nic.in पर उपलब्ध हैं।

CBC 47103/11/0015/2627

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)
(मानव संसाधन प्रभाग -II)

मुख्य कार्यालय, द्वार सं.10
(पूर्वी द्वार), जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम
लोधी रोड़, नई दिल्ली – 110003

File No. 01-04001(02)/2/2026-66 Date: 25-06-2026

भारतीय खेल प्राधिकरण में सहायक निदेशक पद पर भर्ती

भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI), जो युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय है, संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, 2024 के आधार पर प्रतिभा सेतु पोर्टल के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों से सहायक निदेशक के पद पर नियमित नियुक्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।
ऑनलाइन आवेदन की समय-सारणी निम्नानुसार है:-

- ऑनलाइन आवेदन प्रारम्भ होने की तिथि: 23.06.2026 (प्रातः 10:00 बजे)
- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 08.07.2026 (सायं 05:00 बजे)

केवल प्रतिभा सेतु पोर्टल के माध्यम से चयनित एवं शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थी ही आवेदन करने के पात्र होंगे। अभ्यर्थियों की मेरिट सूची UPSC सिविल सेवा परीक्षा, 2024 में प्राप्त प्रतिशतक (Percentile) के आधार पर, प्रतिभा सेतु पोर्टल पर उपलब्ध विवरण के अनुसार तथा निर्धारित पात्रता शर्तों की पूर्ति के अधीन तैयार की जाएगी।
विस्तृत विज्ञापन, पात्रता मानदंड, आवश्यक निर्देश एवं ऑनलाइन आवेदन लिंक भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइट www.sportsauthorityofindia.nic.in पर उपलब्ध हैं।
भर्ती संबंधी किसी भी जानकारी के लिए अभ्यर्थी hrd2.sai@gov.in पर ई-मेल कर सकते हैं।

CBC 47103/11/0018/2627

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)
(मानव संसाधन प्रभाग -II)

मुख्य कार्यालय, द्वार सं.10
(पूर्वी द्वार), जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम
लोधी रोड़, नई दिल्ली – 110003

File No. 01-04001(02)/2/2026-66 Date: 25-06-2026

भारतीय खेल प्राधिकरण में जूनियर इंजीनियर पद पर भर्ती

भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI), जो युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय है, कर्मचारी चयन आयोग (SSC) द्वारा आयोजित जूनियर इंजीनियर (सिविल एवं इलेक्ट्रिकल) परीक्षा, 2024 की पब्लिक डिस्क्लोज़र लिस्ट (PDL) के माध्यम से शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों से जूनियर इंजीनियर के पद पर नियमित नियुक्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।
ऑनलाइन आवेदन की समय-सारणी निम्नानुसार है:

- ऑनलाइन आवेदन प्रारम्भ होने की तिथि: 26.06.2026 (प्रातः 10:00 बजे)
- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 10.07.2026 (सायं 05:00 बजे)

केवल SSC जूनियर इंजीनियर (सिविल एवं इलेक्ट्रिकल) परीक्षा, 2024 की पब्लिक डिस्क्लोज़र लिस्ट (PDL) के माध्यम से शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थी ही आवेदन करने के पात्र होंगे।
विस्तृत विज्ञापन, पात्रता मानदंड, आवश्यक निर्देश तथा ऑनलाइन आवेदन लिंक भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइट www.sportsauthorityofindia.nic.in पर उपलब्ध हैं।
भर्ती संबंधी किसी भी जानकारी के लिए अभ्यर्थी hrd2.sai@gov.in पर ई-मेल कर सकते हैं।

CBC 47103/11/0017/2627

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(मानव संसाधन प्रभाग -II)
(Human Resources Division -II)

मुख्यालय, गेट संख्या-10 (पूर्वी द्वार),
जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, लोधी रोड, नई दिल्ली – 110003

फ़ाइल संख्या: 01-04001(03)/7/2026-66 दिनांक: 10-06-2026

भारतीय खेल प्राधिकरण प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्यकारी निदेशक (वित्त) के पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित करता है

भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्तशासी निकाय, प्रतिनियुक्ति के आधार पर 03 वर्ष की अवधि के लिए वेतन मैट्रिक्स स्तर-13A में **कार्यकारी निदेशक (वित्त)** के 1 पद को भरने हेतु पात्र अधिकारियों से आवेदन आमंत्रित करता है। पात्र अधिकारी निर्धारित प्रपत्र में आवेदन, आवश्यक दस्तावेजों सहित, निदेशक (मानव संसाधन प्रभाग-II), भारतीय खेल प्राधिकरण, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003 के कार्यालय में प्रेषित कर सकते हैं।
आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि 10.07.2026 (सायं 5:00 बजे तक) है।
विस्तृत विज्ञापन, पात्रता मानदंड, आवेदन प्रपत्र तथा अन्य निर्देश भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइट www.sportsauthorityofindia.nic.in पर उपलब्ध होंगे।

CBC 47103/11/0016/2627

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

नरेन्द्र मोदी आज राजस्थान में 'रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल' परिसर का उद्घाटन करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को राजस्थान आएंगे तथा पेट्रोरसायन, शहरी परिवहन, रेलवे, सड़क, नवीकरणीय उर्जा जैसे क्षेत्रों की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे या उनकी आधारशिला रखेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अपने दौरे के दौरान मोदी बालोतरा के पचपदरा में देश का पहला ग्रीनफील्ड एकीकृत 'रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल' परिसर राष्ट्र को समर्पित करेंगे। अधिकारियों के अनुसार दुनिया की सबसे उन्नत रिफाइनरी में से एक यह परियोजना देश के लिए पेट्रोरसायन क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस रिफाइनरी परियोजना का उद्घाटन मोदी द्वारा अप्रैल में किया जाना था लेकिन एक दिन पहले वहां भीषण आग लग गई थी जिसके कारण कार्यकल टल गया। अब यह परियोजना उद्घाटन के लिए तैयार है। आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री अपनी यात्रा की शुरुआत जोधपुर से करेंगे जहां वह जोधपुर हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे और क्षेत्रीय हवाई संपर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से बदली हुई 'उड़ान' योजना शुरू करेंगे।

बयान के अनुसार 480 करोड़ रुपये की लागत से बने नए टर्मिनल भवन को सालाना 20 लाख यात्रियों को संभालने के लिए बनाया गया है। इसी तरह

संशोधित 'उड़ान' योजना के तहत केंद्र सरकार ने अगले 10 साल में क्षेत्रीय हवाई सेवाओं के विस्तार के लिए 28,840 करोड़ रुपये तय किए हैं। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री बाद में बालोतरा जाएंगे जहां वह लगभग 1.06 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और उनकी आधारशिला रखेंगे। वह जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इस यात्रा का मुख्य बिंदु पचपदरा में भारत के पहले ग्रीनफील्ड एकीकृत 'रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल' परिसर को राष्ट्र को समर्पित करना है। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड तथा राजस्थान सरकार के संयुक्त उद्यम के रूप में विकसित नौ मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) क्षमता वाली 'ग्रीनफील्ड रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स' 79,459 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित की गई है। इस परियोजना ने 2.4 एमएमटीपीए पेट्रोरसायन क्षमता के साथ रिफाइनिंग और पेट्रोरसायन उत्पादन को एकीकृत किया है। इस रिफाइनरी में कच्चे तेल से विभिन्न पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन भी प्रारंभ हो चुका है।

अधिकारियो के अनुसार यह परिसर भारत की ईंधन क्षमता को सुदृढ़ बनाने, पेट्रोरसायन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने तथा औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह पेट्रोरसायन एवं प्लास्टिक पार्क के विकास के लिए एक आधारभूत उद्योग के रूप में भी काम करेगा। मोदी जयपुर मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण की आधारशिला भी रखेंगे जिसकी अनुमानित लागत 13,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा है। इस 41 किलोमीटर लंबे उत्तर-दक्षिण गलियारे में 36 स्टेशन होंगे।

प्रधानमंत्री चूरू-सादुलपुर और चूरू-रतनगढ़ रेल दोहरीकरण परियोजनाओं (कुल 104 किलोमीटर, लागत लगभग 900 करोड़ रुपये) को देश को समर्पित करेंगे। इसके अलावा, वह राष्ट्रीय राजमार्ग -125ए जोधपुर रिंग रोड सेक्शन-खख (करवड़-डांगियावास) परियोजना (लागत लगभग 740 करोड़ रुपये) को चार लेन किए जाने का उद्घाटन भी करेंगे। मोदी एसजेवीएन लिमिटेड के 1,000 मेगावाट बीकानेर सौर उर्जा परियोजना (निवेश लगभग 5,500 करोड़ रुपये) और एनएचपीसी के 300 मेगावाट करणीसर बीकानेर सौर उर्जा संयंत्र को भी देश को समर्पित करेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री राजस्थान सरकार के विभिन्न विभागों में हाल में भर्ती हुए लगभग 54,000 कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र भी सौंपेंगे।

अदालत की सख्त टिप्पणियों ने भाजपा सरकार के दमनकारी चरित्र को बेनकाब किया : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि बंबई उच्च न्यायालय की सख्त टिप्पणियों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के दमनकारी और अलोकतांत्रिक चरित्र को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है। दरअसल बंबई उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को अपने एक आदेश में कहा कि सरकार के खिलाफ आंदोलनों और विरोध-प्रदर्शनों में शामिल होने मात्र के आधार पर किसी व्यक्ति के खिलाफ जिला बदर का आदेश पारित नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति माधव जामदार की एकल पीठ ने एक स्थानीय नेता के खिलाफ जारी एक वर्ष के जिला बदर आदेश को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। गहलोत की यह टिप्पणी अदालत के आदेश के बाद आई है।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा, बंबई उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति माधव जामदार की सख्त टिप्पणियों ने भाजपा सरकार के दमनकारी और अलोकतांत्रिक चरित्र को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है। सरकार को इन टिप्पणियों पर केवल 'मनन' नहीं, बल्कि अपने कृत्य पर शर्म करनी चाहिए। गहलोत ने कहा, लोकतंत्र में विरोध की आज़ादी ही उसकी आत्मा है, लेकिन भाजपा ने इसे 'बनाना रिपब्लिक' बना दिया है, जहां महज राजनीतिक नारेबाजी को भी बदले की कार्रवाई का आधार बना लिया जाता है। सत्ता के अहंकार में चूर भाजपा सरकारों की यह कायरतापूर्ण और तानाशाह कार्रवाइयां लोकतंत्र पर कलंक हैं।

गहलोत ने आरोप लगाया कि पिछले 12 साल में देश में ऐसा माहौल बना दिया गया है जहां सरकार के विरोध को 'देशद्रोह' का रूप दे दिया जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता भूल गए हैं कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) शासन में वे खुद कितनी आक्रामकता से विरोध करते थे और कांग्रेस उसे सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया मानती थी। उन्होंने कहा, आज केवल सरकार की नीतियों के खिलाफ बोलने पर भाजपा शासित राज्यों में पत्रकारों, नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं पर प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें महीनों-वर्षों तक जेल में बंद रखा जा रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह सच को दबाने और देश में भय का माहौल बनाने की सोची-समझी साजिश है, जो लोकतंत्र की सरेआम हत्या है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में नेतृत्व करने वालों में आलोचना सुनने की सहनशक्ति होनी चाहिए। बयान में उन्होंने कहा, पुलिस और जांच एजेंसियों को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि उनकी जवाबदेही सिर्फ और सिर्फ देश के संविधान के प्रति है, किसी राजनीतिक दल के प्रति नहीं।

कुशलक्षेम

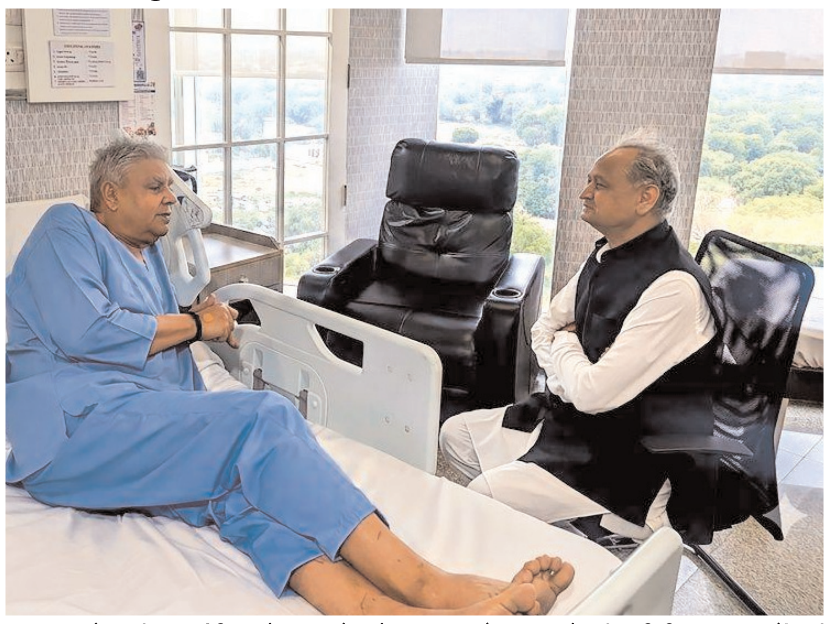

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को जयपुर के ईएचसीसी अस्पताल में पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना।

राजस्थान पहुंचा मानसून, कई दिन जारी रहेगा बारिश का दौर

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में मानसून की बारिश शुरू हो गई है और इसके अगले कई दिन जारी रहने की पूरी उम्मीद है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। इसके अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य से सात दिन की देरी से बृहस्पतिवार को राज्य के पूर्वी भागों में पहुंच गया है। मानसून की उत्तरी सीमा टोंक, जयपुर, अलवर से होकर गुजर रही है। आगामी दिनों में राज्य के कुछ और भागों में मानसून के आगे बढ़ की प्रबल संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून के असर से शुक्रवार सुबह तक के चौबीस घंटों के दौरान राज्य के उदयपुर, कोटा, अजमेर, भरतपुर व जयपुर संभाग के कुछ भागों में मध्यम से भारी बारिश हुई।

सर्वाधिक 84.0 मिलीमीटर बारिश सांभर (जयपुर) में दर्ज की गई। हालांकि राज्य के पश्चिमी भागों में तेज गर्मी का दौर जारी है, जहां गंगानगर में अधिकतम तापमान 43.0 डिग्री सेल्सियस रहा।

इसके अनुसार राज्य के जयपुर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर संभाग के कुछ भागों में आगामी 5-7 दिन मानसून सक्रिय रहने व अधिकांश भागों में बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है।

इस दौरान पूर्वी व दक्षिण-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं भारी व कहीं-कहीं अति भारी बारिश होने की संभावना है। इसी तरह पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी आगामी दिनों में आंधी बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

राजस्थान सरकार पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । नई दिल्ली के भारत मंडपम में शुक्रवार को 16वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं पर राज्यों के पंचायती राज मंत्रियों की राष्ट्रीय कार्यशाला में पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने राज्य सरकार का पक्ष रखा। दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार पंचायती राज संस्थाओं को वित्तीय एवं प्रशासनिक रूप से अधिक सशक्त, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। ग्रामीण विकास की गति को तेज करने तथा स्थानीय स्वशासन संस्थाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वित्तीय विकेंद्रीकरण अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि 16वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं का प्रभावी क्रियान्वयन ग्रामीण स्थानीय निकायों की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ-साथ आधारभूत सुविधाओं के विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राजस्थान सरकार इन अनुशंसाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

दिलावर ने कहा कि सहकारी संघवाद की भावना को सशक्त बनाने में इस प्रकार की राष्ट्रीय कार्यशालाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। राज्यों के बीच अनुभवों, नवाचारों और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान स्थानीय शासन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी तथा जनोन्मुखी बनाने में सहायक सिद्ध होगा। कार्यशाला में विभिन्न राज्यों के पंचायती राज मंत्री, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लेकर 16वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सहित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया।

दुर्घटनाओं में कमी लाने, वाहनों के कड़े सत्यापन एवं दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस कॉरिडोर के सेफ्टी ऑडिट के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/बालोतरा। राज्य में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने व सड़क सुरक्षा की गम्भीरता को देखते हुए आज लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को भी मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सड़क सुरक्षा मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने हाल ही में दौसा जिले में हुई सड़क दुर्घटना के सम्बन्ध में खेद प्रकट करते हुए कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को सुरक्षा मानकों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के कारणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान कर समयबद्ध सुधारात्मक कार्यवाही की जाए, ताकि दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सके।

बैठक में अरूणाचल प्रदेश एवं नागालैण्ड में पंजीकृत होकर राजस्थान में चल रही ऐसी बसें जो निर्धारित बस बॉडी कोड के अनुरूप नहीं है, उनके बारे में दोनों राज्यों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया तथा इस सम्बन्ध में इन राज्यों के मुख्य सचिवों को अर्द्धशासकीय पत्र लिखे जाने के भी निर्देश दिये गए। उन्होंने कहा कि ऐसे वाहनों का पंजीकरण एवं अन्य आवश्यक कार्यवाही सुरक्षा मानकों की पूर्ण जांच और सत्यापन के बाद ही की जाए। बिना समुचित जांच के किसी भी वाहन का पंजीकरण नहीं किया जाए तथा यात्री सुरक्षा की पूर्ण गारंटी सुनिश्चित की जाए।

मुख्य सचिव ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थापित निगरानी कैमरों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं उन्हें हर समय चालू रखने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस कॉरिडोर की 15 दिनों के भीतर सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए। अध्यक्ष एनएचएआई संतोष कुमार ने 15 दिवस में रोड सेफ्टी ऑडिट कर साइनेज में आवश्यक संशोधन करने का आश्वासन दिया साथ ही राजस्थान राज्य द्वारा सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में सदैव तत्परता से सहयोग करने की प्रशंसा की। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने एनएचएआई को हाइवे पर सुविधा क्षेत्रों में पुलिस पोस्ट के लिए जगह उपलब्ध करवाने के लिए नीति बनाने का सुझाव दिया।

मुख्य सचिव ने कहा कि हाई स्पीड से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जाए। ब्लैक स्पॉट्स पर पर्याप्त लाइटिंग की व्यवस्था करने, साइनेज मार्किंग व हाइवे के सुविधा क्षेत्रों में व्यवसायिक वाहन चालकों के लिए किफायती दरों पर भोजन उपलब्ध करवाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रत्येक टोल प्लाजा पर एम्बुलेंस, प्राथमिक चिकित्सा सुविधा, टो-मशीन तथा राज्य सरकार के समन्वय से फायर ब्रिगेड की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि दुर्घटना की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके। मुख्य सचिव द्वारा परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग को वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाने, वाहनों के लम्बित चालानों की प्रशमन राशि वसूल करने और सभी बसों के ए.आई.एस. मानको के अनुरूप होने की दुबारा जांच के लिए प्रवर्तन अभियान चलाने के निर्देश दिये गए।

उन्होंने संभागीय आयुक्तों को सभी जिला कलेक्टर्स की बैठक आयोजित कर जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समितियों की बैठकों की समीक्षा करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ठोस एवं प्रभावी कदम उठाएं। बैठक में महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा,अतिरिक्त मुख्य सचिव, सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता एवं प्रमुख शासन सचिव परिवहन भवानी सिंह देथा ने बालोतरा जिला मुख्यालय से, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर आत्माराम सावंत, शासन सचिव स्वायत शासन विभाग रवि जैन एवं परिवहन आयुक्त पुरुषोत्तम शर्मा शासन सचिवालय से तथा अध्यक्ष एन.एच.ए.आई. संतोष कुमार यादव और अरूणाचल प्रदेश एवं नागालैण्ड परिवहन विभाग के प्रतिनिधियों और सभी संभागीय आयुक्त, महानिरीक्षक रेंज पुलिस व प्रादेशिक परिवहन अधिकारियों ने वी.सी. से भाग लिया।

पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया पहुंचे जोधपुर : कहा- 'नया एयरपोर्ट टर्मिनल मारवाड़ के विकास में मील का पत्थर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया शुक्रवार को जोधपुर पहुंचे। जोधपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से अनौपचारिक बातचीत करते हुए उन्होंने केंद्र सरकार की परियोजनाओं की सराहना की और कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा लोकार्पित होने जा रहा नया एयरपोर्ट टर्मिनल मारवाड़ के विकास की दिशा में एक बहुत बड़ी उपलब्धि साबित होगा। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वर्षों से जिस आधुनिक टर्मिनल का इंतजार किया जा रहा था, वह अब पूरी तरह हकीकत बन चुका है। राज्यपाल कटारिया ने नए टर्मिनल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह नया एयरपोर्ट सिर्फ जोधपुर शहर तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे पश्चिमी राजस्थान के औद्योगिक और आर्थिक परिदृश्य को बदल कर रख देगा। उन्होंने कहा कि आगामी समय में बाड़मेर रिफाइनरी के संचालन के साथ ही इस पूरे क्षेत्र में भारी निवेश बढ़ेगा, नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित होंगी और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। ऐसे में बेहतर हवाई संपर्क (एयर कनेक्टिविटी) इस चौतरफा विकास को और अधिक मजबूती देगा। मारवाड़ के बदलते स्वरूप पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि एक समय था जब मारवाड़ को केवल एक सूखा प्रभावित और पिछड़े इलाके के रूप में जाना जाता था, लेकिन आज इसकी तस्वीर बहुत तेजी से बदल रही है।

इंदिरा गांधी नहर परियोजना से सिंचाई का निरंतर विस्तार, बाड़मेर की महत्वाकांक्षी रिफाइनरी परियोजना, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में विकसित हुआ आधुनिक सड़कों का जाल और अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्र (बॉर्डर एरिया) होने का रणनीतिक लाभ अब इस पूरे इलाके को देश में एक नई और मजबूत पहचान दिला रहा है। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि जोधपुर के साथ-साथ जैसलमेर और बाड़मेर जिले भी आज विकास की नई उड़ान भर रहे हैं।

पैसों के लेन-देन के विवाद में बड़े भाई ने क्रिकेट बैट से पीट-पीटकर की छोटे भाई की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाड़मेर। बाड़मेर जिले के शिव थाना इलाके से दो सगे भाइयों के बीच रिश्तों को तार-सार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। पुषड़ गांव में गुरुवार शाम को महज पैसों के लेन-देन को लेकर दो भाइयों में शुरू हुआ विवाद इस कदर बढ़ा कि बड़े भाई ने आवेश में आकर अपने ही छोटे भाई के सिर पर क्रिकेट बैट से ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। शाम करीब 4 बजे बुजुर्ग पिता से मिली सूचना के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी बड़े भाई को डिटेन (हिरासत में) कर लिया। शिव थानाधिकारी मनोहर विश्नोई ने बताया कि पुषड़ गांव का निवासी सुरेश (25) पुत्र तोगाराम गुरुवार शाम को गांव के बाहर ढाणी में रहने वाले अपने बड़े भाई जेठाराम के घर गया था। सुरेश वहां रुपए के लेन-देन से जुड़े किसी मामले पर बात करने पहुंचा था, लेकिन दोनों के बीच बातचीत जल्द ही तीखी बहस में बदल गई। विवाद के दौरान गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंचने के कारण जेठाराम ने घर में रखा क्रिकेट बैट उठा लिया और सुरेश के सिर पर एक के बाद एक कई जानलेवा वार कर दिए। सिर पर गंभीर चोटें लगने की वजह से सुरेश ने मौके पर ही तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया। घटना के वक्त दोनों के बुजुर्ग पिता घर पर ही मौजूद थे, जिन्होंने पुलिस को इस खूनी वारदात की जानकारी दी।

वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घटनास्थल का बारिकी से निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सबूत जुटाने के लिए एफएसएल (ऋण्डु) और एमओबी (चजइ) टीमों को भी मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने जरूरी साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने गुरुवार रात को ही मृतक सुरेश के शव को शिव हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में शिफ्ट करवा दिया था।

शुक्रवार को मृतक के लाचार पिता तोगाराम ने पुलिस के सामने पेश होकर अपने बड़े बेटे जेठाराम के खिलाफ रुपए के विवाद में हत्या करने की लिखित रिपोर्ट दी। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार को मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। इस खूनी संघर्ष ने हंसते-खेलते परिवार को पूरी तरह उजाड़ दिया है। मृतक सुरेश पुषड़ गांव में अपनी पत्नी और एक छोटी मासूम बेटी के साथ रहता था।

एसीबी ने पटवारी सहित दो जनों को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

जयपुर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को एक पटवारी एवं एक निजी व्यक्ति को कथित रूप से 50,000 रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार अजासर हल्के के पटवारी लखवीर यादव एवं कथित दलाल (निजी व्यक्ति) जेठुसिंह को गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो के बयान के अनुसार परिवादी ने शिकायत की थी कि यादव उसके पिता के खेत की पुनः तरमीम (संशोधन) कर राजस्व रिकार्ड में प्रविष्टि करने एवं पैमाईश की रिपोर्ट देने के लिए जेठूसिंह के मार्फत 50,000 रूपये रिश्वत मांग रहा है। बयान के अनुसार ब्यूरो की टीम ने शुक्रवार को जाल बिछाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा इस दौरान कथित रिश्वत राशि 50,000 रूपये (जेठूसिंह से) बरामद की गई। एसीबी मामले की जांच कर रही है।

अजमेर जेल में बंद डकैत की हत्या के मामले में आरोपी से पूछताछ

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने अजमेर की अति-सुरक्षित मानी जाने वाली जेल में डकैत जगन गुर्जर की हत्या के आरोपी विष्णु सिंह जाट को 'पेशी वारंट' पर गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार पुलिस ने जाट से इस वारदात के मकसद और उससे जुड़ी परिस्थितियों के बारे में पूछताछ शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मियों की निगरानी में जाट को पूछताछ के लिए जेल से सिविल लाइंस थाने लाया गया। इस जेल में बंद गुर्जर की 29 जून को हत्या कर दी गई थी।

देश के कुल आम उत्पादन में उत्तर प्रदेश का 26 प्रतिशत का योगदान : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश देश के कुल आम उत्पादन में 26 प्रतिशत का योगदान देता है, जबकि इस फसल के अंतर्गत क्षेत्र का केवल नौ प्रतिशत ही होता है। उन्होंने कहा कि देश मे जब आम की बात होती है उत्तर प्रदेश का अपना स्थान है। नौ प्रतिशत जमीन में 26 प्रतिशत आम का उत्पादन होता है। सात श्रेणियों के 56 वर्गों में 800 से अधिक आम की किस्में है।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ शुक्रवार को यहां उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि महोत्सव में राज्य भर से आम की लगभग 800 किस्में प्रदर्शित की गई हैं, जिनमें मलिहाबाद से दशहरी, वाराणसी और गोरखपुर से लंगड़ा, बागपत और सहारनपुर से रतोल और बस्ती से आम्रपाली शामिल हैं। आम की विविधता को उत्तर प्रदेश की ताकत' बताते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि प्रत्येक किस्म अपनी मिट्टी की खुशबू और अपने क्षेत्र की 'मिठास' को दर्शाती है।

उत्तर प्रदेश की नौकरशाही अब नहीं है नीतिगत पंगुता' की शिकार : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि यहां नौकरशाही अब नीतिगत पंगुता की शिकार नहीं है, बल्कि पूरी तेजी के साथ विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दौड़ने को तैयार है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को यहां 22 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी के 464 करोड़ रुपये से अधिक लागत से निर्मित अत्याधुनिक नवीन परिसर का लोकार्पण करने के उपरांत प्रशासनिक अधिकारियों और प्रशिक्षुओं को संबोधित कर रहे थे।

इससे पहले उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भवन का उद्घाटन किया और परिसर का निरीक्षण कर विभिन्न सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत की आधारशिला उत्तर प्रदेश बनेगा और इसके लिए प्रदेश के प्रत्येक गांव, कस्बे और वार्ड को आत्मनिर्भर बनाना होगा।

उन्होंने कहा, राजनीतिक नेतृत्व केवल विजन दे सकता है, लेकिन उसे धरातल पर उतारने की पूरी ताकत प्रशासनिक मशीनरी के पास होती है। इसलिए प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और सकारात्मक कार्यसंस्कृति बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अकादमी को भारत के अग्रणी स्कूल ऑफ पब्लिक लीडरशिप' के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ज्ञान से विकास, विकास से जनविश्वास और जनविश्वास से राष्ट्रनिर्माण की संकल्पना को साकार करने में यह संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा इसी उद्देश्य से आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस अकादमी का निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा कि 'एकला चलो' की सोच या टीम को कमजोर करने की मानसिकता से अच्छे परिणाम नहीं मिल सकते क्योंकि टीमवर्क, सकारात्मक सोच और नवाचार ही सफलता का आधार हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों को लगातार सीखते रहने, तकनीक आधारित सुशासन, संवेदनशील प्रशासन और नवाचार को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि 2017 से पहले दो-तीन दशकों तक उत्तर प्रदेश की छवि बेहद नकारात्मक हो गई थी क्योंकि लोग मानने लगे थे कि देश की कोई भी योजना उत्तर प्रदेश में सफल नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि इसके लिए केवल प्रशासनिक अधिकारी ही नहीं, बल्कि राजनीतिक नेतृत्व भी जिम्मेदार था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अपनी नई पहचान बनाई है, आज प्रदेश देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह बना चुका है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुरक्षा, सुशासन, भीड़ प्रबंधन, प्रौद्योगिकी आधारित सुधार और प्रशासनिक कार्यप्रणाली के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं, अब यहां किसी के सामने पहचान का संकट नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी आधारित सुधारों ने आमजन के जीवन में बड़ा बदलाव किया है। बयान के अनुसार इस अवसर पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, मुख्य सचिव एसपी गोयल, पूर्व मुख्य सचिव आर. रमणी, अतुल गुप्ता, आलोक रंजन, अनूप चंद्र पांडेय, दुर्गा शंकर मिश्र, मनोज कुमार सिंह समेत बड़ी संख्या में प्रदेश के सेवारत एवं सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी और प्रशिक्षु अधिकारी मौजूद रहे।

'डिजिटल अरेस्ट' कर सेवानिवृत्त कर्मचारी से 2.07 करोड़ रुपये की ठगी मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जालंधर के एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी को डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी में फंसाकर उनसे 2.07 करोड़ रुपये ठगने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ़्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एजेंसी ने 30 जून को ओडिशा के बालासोर में विवेकानंद दीक्षित और जयंत कुमार आचार्य तथा नागौर (राजस्थान) में कन्हैया लाल के ठिकानों पर तलाशी लेने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया। एजेंसी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, सीबीआई ने 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी के सिलसिले में 30 जून को ओडिशा और राजस्थान में सात जगहों पर तलाशी ली। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

सीबीआई ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्देश पर 25 मार्च को मामला दर्ज किया था। प्रवक्ता ने कहा कि जांच से पता चला कि धोखाधड़ी से हासिल रकम को एक ट्रस्ट के नाम पर खोले गए बैंक खाते में भेजा गया था। उन्होंने बताया कि ओडिशा के बालासोर से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि तीसरे आरोपी को नागौर से पकड़ा गया। 'डिजिटल अरेस्ट' साइबर अपराध का एक बढ़ता हुआ रूप है, जिसमें अपराधी कानून प्रवर्तन अधिकारियों या सरकारी एजेंसियों के कर्मचारियों के रूप में खुद को पेश करते हैं तथा ऑडियो और वीडियो कॉल के माध्यम से पीड़ितों को डराते-धमकाते हैं और उन पर पैसे देने का दबाव डालते हैं।

रामंदिर दान गबन : एसआईटी मंदिर ट्रस्ट के पिछले पांच साल के खातों का दोबारा ऑडिट करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर में दान के कथित गबन की जांच कर रहा विशेष जांच दल (एसआईटी) श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पिछले पांच वर्षों के खातों का फिर से ऑडिट करेगा क्योंकि प्रारंभिक जांच में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं का संकेत मिला है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि पुन: ऑडिट में निर्माण-संबंधी व्यय के साथ-साथ दान के रूप में प्राप्त आभूषण और सोने तथा चांदी की अन्य वस्तुओं को भी शामिल किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि प्रारंभिक जांच के दौरान सामने आए कथित गबन के सबूतों के बाद एसआईटी पूरे पांच साल के ट्रस्ट के वित्तीय रिकॉर्ड की विस्तृत जांच करेगी। एक और घटनाक्रम में, अयोध्या पुलिस ने मुख्य आरोपी अविनाश शुक्ला को हिरासत में लेने के बाद उससे पूछताछ की।

इस मामले में दान की गिनती के काम में शामिल शुक्ला को पहले ही गिरफ़्तार किया जा चुका है और बृहस्पतिवार को एक स्थानीय अदालत ने उन्हें 24 घंटे की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शुक्ला, जिनके पास से इस मामले में अब तक सबसे ज़्यादा नकद राशि बरामद हुई है, के ख़िलाफ़ कानूनी कार्रवाई तेज़ कर दी गई है। एसआईटी ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्रा और मंदिर के निर्माण और प्रबंधन से जुड़े गोपाल राव से पूछताछ की है। राय और मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है और ट्रस्ट द्वारा छह जुलाई को होने वाली बैठक में उन पर निर्णय लिए जाने की उम्मीद है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मामले में नकद बरामदगी में शुक्ला से 20.39 लाख रुपये, करुणेश पांडे से 18.07 लाख रुपये, अनुकल्प मिश्रा से 16.82 लाख रुपये, लवकुश मिश्रा से 14.25 लाख रुपये, रमाशंकर मिश्रा से 7.32 लाख रुपये और रमाशंकर यादव उर्फ टीनू से एक लाख रुपये शामिल हैं। पुलिस ने जांच के दौरान करीब 11 ग्राम सोना, करीब 375 ग्राम चांदी और 1,121 अमेरिकी डॉलर भी बरामद किए हैं. सूत्रों ने बताया कि जांचकर्ताओं ने अयोध्या के एक योग केंद्र से पेटीएम क्यूआर कोड वाला रामराज्य कोष लेबल वाला एक दान बॉक्स भी जब्त किया, जहां शुक्ला कथित तौर पर लगभग एक दशक से रह रहे थे। इस बीच, बागेश्वर धाम के प्रमुख आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने शुक्रवार को जांच पर भरोसा जताया और कहा कि कथित गबन के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिलेगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, भगवान दोषियों को सजा देंगे। हमें देश की कानून व्यवस्था और एसआईटी पर पूरा भरोसा है।

उन्होंने कहा, वर्तमान युग केवल कलयुग का युग नहीं है; यह 'छलयुग' (छलयुग) का युग है। धोखे के इस युग में सतर्क रहना जरूरी है। वर्तमान समय में संतों, महंतों, मठों और मंदिरों को योजनाबद्ध तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। जिसने भी यह पाप किया है उसे भगवान भी सजा देंगे और एसआईटी, देश का कानून और सरकार भी उन्हें सजा देगी। राम मंदिर में दान के कथित गबन का मामला सात जून को सामने आया था। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर 25 जून को एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

सोनम रघुवंशी को जमानत देने के आदेश पर रोक से उच्चतम न्यायालय का इनकार

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने 2025 में मेघालय में हनीमून के दौरान अपने पति की हत्या के आरोप में गिरफ्तार सोनम रघुवंशी को जमानत देने से संबंधित मेघालय उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने से शुक्रवार को इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ ने उच्च न्यायालय के फैसले पर प्रथम दृष्टया कुछ आपत्ति जताई लेकिन जमानत पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। अदालत ने इस तथ्य पर गौर किया कि रघुवंशी जेल से रिहा हो चुकी है और निचली अदालत की जमानत की शर्तों के अनुसार शिलांग में रह रही है। राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि रघुवंशी पर लगे आरोप बहुत गंभीर हैं और उसे सिर्फ तकनीकी कारणों के आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती।

मेहता ने कहा कि यह मामला वाकई बहुत चौंकाने वाला है। उन्होंने उच्च न्यायालय के जमानत आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए कहा कि जमानत इस आधार पर दी गई कि गिरफ्तारी के सभी कारण नहीं बताए गए थे। सॉलिसिटर जनरल ने कहा, यह वही मामला है जिसमें पति-पत्नी हनीमून मनाने मेघालय गए थे। यह पहले से सोची-समझी हत्या थी।

केतन हत्याकांड : आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी को 16 तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। पुणे की एक अदालत ने शुक्रवार को 25 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की हत्या के मामले में सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गोयल (20) और चौधरी (22) पर आरोप है कि उन्होंने 18 जून को पुणे जिले के लोहागढ़ किले में एक चट्टान से धक्का देकर अग्रवाल की हत्या की।

अग्रवाल और गोयल की शादी इसी साल नवंबर में होने वाली थी। पुलिस हिरासत की अवधि खत्म होने के बाद दोनों आरोपियों को न्यायिक मजिस्ट्रेट ए.एम. विभूते के समक्ष पेश किया गया।

अभियोजन पक्ष ने पुलिस हिरासत को तीन दिन और बढ़ाने का अनुरोध किया। उन्होंने दलील दी कि गोयल और चौधरी के मोबाइल फोन से मिले डेटा में इशारों और कोड वाली भाषा में बातचीत थी, और उस बातचीत का मतलब समझने के लिए उनसे हिरासत में और पूछताछ करना जरूरी है।

गोयल और चौधरी के वकीलों ने इस अर्जी का विरोध करते हुए कहा कि पुलिस को मामले की जांच के लिए पहले ही काफी समय दिया जा चुका है और अब हिरासत में लेकर पूछताछ करने की कोई जरूरत नहीं है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, अदालत ने अभियोजन पक्ष की अर्जी को खारिज कर दिया और आरोपियों को 16 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

यूआईडीएआई ने आधार ऐप के जरिये ईमेल जोड़ने की मुफ्त सुविधा शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार धारकों के लिए अपने नए आधार ऐप के जरिये बिना किसी केंद्र पर जाए ईमेल जोड़ने की मुफ्त सुविधा शुरू की है। शुक्रवार को जारी आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, यह सुविधा केवल आधार ऐप के माध्यम से उपलब्ध होगी। यह एक जुलाई, 2026 से अगले छह महीने तक मुफ्त रहेगी जिससे लोगों के लिए आधार संबंधी जानकारी को अद्यतन रखना आसान होगा। इसमें कहा गया, ''भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने लोगों को आधार ऐप के जरिये सीधे अपने आधार में ईमेल आईडी जोड़ने या अद्यतन करने की सुविधा दी है। इसके लिए अब आधार केंद्र जाने की जरूरत नहीं होगी।'' बयान के अनुसार, आधार ऐप पर यह नई सुविधा उपलब्ध होने के दो दिन के भीतर ही 2.5 लाख से अधिक लोगों ने अपना ईमेल पता आधार से जोड़ा है या उसमें बदलाव किया है। इसमें कहा गया, ''आधार के साथ ईमेल लिंक होने पर आधार प्रमाणीकरण का अनुरोध किए जाने की स्थिति में वास्तविक समय (रियल-टाइम) में ईमेल के जरिये सूचना मिलती है। इससे पारदर्शिता बढ़ती है और आधार संख्या धारक को किसी भी उद्देश्य के लिए आधार के उपयोग की जानकारी मिलती रहती है, जिससे सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत भी जुड़ती है।''

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का एक हिस्सा धंसने के मामले में दो अधिकारी निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के एक हिस्से के धंसने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने कड़ी कार्रवाई करते हुए प्राधिकरण अभियंता की टीम के प्रमुख और ठेकेदार के परियोजना प्रबंधक को निलंबित कर दिया है। प्राधिकरण के अनुसार, बारिश के बाद पानी जमा हो जाने के कारण सड़क का हिस्सा धंस गया था। एनएचएआई ने बयान में कहा कि संबंधित परियोजना निदेशक, प्राधिकरण अभियंता और ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन) ठेकेदार को कारण बताओ नोटिस भी जारी किए गए हैं। प्राधिकरण ने कहा कि एक जुलाई, 2026 को दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे पर सड़क की सतह धंसने की घटना सामने आई थी। यह घटना 30 जून की रात हुई बारिश के कारण एक स्थान पर पानी जमा होने और वहां स्थायी जल निकासी प्रणाली चालू नहीं हो पाने की वजह से हुई थी।

एनएचएआई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, ''बारिश के बाद दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे पर सड़क की सतह धंसने से राष्ट्रीय राजमार्ग के यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। प्रभावित हिस्से की मरम्मत कर उसे सामान्य यातायात के लिए खोल दिया गया है।'' बयान में कहा गया कि संबंधित स्थान पर जल निकासी प्रणाली को चालू नहीं किया जा सका क्योंकि स्थानीय निवासियों के लगातार विरोध के चलते पुलिया को इससे नहीं जोड़ा जा सका। स्थानीय लोग पुलिया के मुहाने का इस्तेमाल वाहनों के आवागमन के लिए कर रहे थे। करीब 12,000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 213 किलोमीटर लंबे छह लेन के नियंत्रित प्रवेश (एक्सेस-कंट्रोल्ड) वाले दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अप्रैल, 2026 को किया था।

सीतारमण ने फ्रांस की कंपनियों को 'विकसित भारत 2047' में भागीदार बनने के लिए किया आमंत्रित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फ्रांस के कारोबारियों और निवेशकों को 'विकसित भारत 2047' की यात्रा में भागीदार बनने का आमंत्रण दिया। उन्होंने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा दोनों देशों की साझा समृद्धि के लिए मिलकर काम करने पर जोर दिया। वित्त मंत्री ने बृहस्पतिवार को पेरिस में आयोजित भारत-फ्रांस व्यापार 'गोलमेज बैठक' को संबोधित करते हुए फ्रांस के निवेशकों से स्वास्थ्य सेवा, दवा एवं जैव-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में साझेदारी के अवसर तलाशने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि जीवन विज्ञान, टीकों, सक्रिय औषधीय अवयवों (एपीआई), नैदानिक अनुसंधान, प्रिसिजन मेडिसिन और डिजिटल स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों की पूरक क्षमताओं का उपयोग कर मजबूत स्वास्थ्य सेवा मूल्य शृंखला विकसित की जा सकती है। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि सीतारमण ने भारत के स्वच्छ ऊर्जा बदलाव का भी उल्लेख किया। इसमें वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता हासिल करने का लक्ष्य, राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन पीएलआई योजनाएं शामिल हैं। इन पहलों से नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, बैटरी भंडारण, अपतटीय पवन ऊर्जा और स्मार्ट ग्रिड जैसे क्षेत्रों में निवेश के बड़े अवसर उपलब्ध हैं।

बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज की अवधि 31 दिसंबर तक बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से लागू बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज की अवधि 31 दिसंबर, 2026 अथवा नई औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति-2026 लागू होने की तिथि तक बढ़ा दी गई है। यह जानकारी औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बियाडा) की ओर से दी गई है। राज्य सरकार के निर्देश पर बियाडा ने इस पैकेज की अवधि, जो पहले 30 जून तक निर्धारित थी, को बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2026 अथवा नई औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति-2026 लागू होने की तिथि तक कर दी है, ताकि अधिक से अधिक निवेशक इसका लाभ उठा सकें। उल्लेखनीय है कि बिहार में औद्योगिक विकास को गति देने और अगले पांच साल में एक करोड़ रोजगार के अवसर सृजित करने के लक्ष्य के तहत राज्य सरकार के निर्देश पर बियाडा ने पिछले वर्ष बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज-2025 लागू किया था। इसका उद्देश्य निवेशकों को राज्य में उद्योग स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

बियाडा की ओर से जारी बयान के अनुसार, इस पैकेज का लाभ लेने की अंतिम तिथि पहले 31 मार्च, 2026 निर्धारित की गई थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 30 जून, 2026 कर दिया गया था। अब निवेशकों के हितों को ध्यान में रखते हुए इसकी अवधि 31 दिसंबर, 2026 अथवा नई औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति-2026 लागू होने तक बढ़ा दी गई है। बयान के अनुसार, इस प्रोत्साहन पैकेज के तहत एक रुपये की सांकेतिक (टोकन) राशि पर निवेशकों को निःशुल्क भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। इसके तहत 100 करोड़ रुपये के निवेश और 1,000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने पर 10 एकड़ भूमि, 1,000 करोड़ रुपये के निवेश पर 25 एकड़ भूमि, 200 करोड़ रुपये के निवेश पर 10 एकड़ भूमि तथा फॉर्च्यून-500 सूची में शामिल कंपनियों को 10 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।

''चन्नी की नाराजगी'' से कांग्रेस में अंतर्कलह उजागर हुई : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को दावा किया कि पंजाब चुनाव से पहले कांग्रेस में हुए संगठनात्मक फेरबदल को लेकर पार्टी नेता चरणजीत सिंह चन्नी की कथित नाराजगी से कांग्रेस में नई दरारें उभर आई हैं।

भाजपा के इस बयान से एक दिन पहले कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने संगठन में फेरबदल के दौरान कोई जिम्मेदारी नहीं मिलने के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि काश उनके पास व्यक्तियों और ''संस्थाओं की असुरक्षा'' का कोई इलाज होता। तिवारी ने मीडिया में आई एक खबर साझा की, जिसमें कहा गया था कि पंजाब में कांग्रेस ने नए कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए और चुनाव समितियों का गठन किया, लेकिन उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया।

सभी दलों के विधायकों को साथ लेकर काम कर रही सरकार : मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार नेता प्रतिपक्ष सहित सभी विधायकों को साथ लेकर प्रशासन में बदलाव लाने और लोगों के कल्याण के लिए काम करने की कोशिश कर रही है। पश्चिम बंगाल विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए अधिकारी ने कहा कि पहले प्रशासन के अलावा विधानसभा भी सत्तारूढ़ पार्टी के दफ्तर से मिलने वाले निर्देशों के अनुसार काम करती थी। उन्होंने कहा, पहले सांसदों या विधायकों का कोई सम्मान नहीं होता था। प्रखंड विकास अधिकारी (बीडीओ) और जिलाधिकारी उन्हें कार्यक्रमों में बुलाते तक नहीं थे। मुझे भी प्रशासनिक बैठकों के लिए कोई निमंत्रण नहीं भेजा जाता था। मुझे विधानसभा से पांच बार निलंबित किया गया। विधानसभा के सभी महत्वपूर्ण सत्र में मुझे निलंबित कर दिया गया था। अधिकारी ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार का नाम लिए बिना कहा कि प्रशासन के अलावा, विधानसभा भी सत्तारूढ़ पार्टी के दफ़्तर से मिलने वाले निर्देशों के आधार पर काम करती थी।

शुभेंदु अधिकारी 2021 से 2026 तक पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह प्रशासन के सभी क्षेत्रों में बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं और साथ ही सांसदों और विधायकों को ज़्यादा जिम्मेदारियां भी सौंप रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब सभी विधायक और सांसद, चाहे वे किसी भी दल से हों, प्रशासन की ओर से आयोजित सभी कार्यक्रमों और बैठकों के लिए आमंत्रण प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा, मैं दलगत भेदभाव से ऊपर उठकर सभी विधायकों को साथ लेकर चल रहा हूं। हम नेता प्रतिपक्ष के साथ भी मिलकर काम कर रहे हैं।

पिछले साढ़े चार सालों में उत्तराखंड में 34 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली : धामी

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने बीते साढ़े चार वर्षों में 34 हजार से अधिक युवाओं को पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ सरकारी नौकरी दी है। धामी ने यहां एक कार्यक्रम में उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की पीसीएस मुख्य परीक्षा-2024 में चयनित 182 अभ्यर्थियों सहित कुल 187 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के मौके पर कहा कि राज्य में देश के सबसे कठोर नकल विरोधी कानून के कारण भर्ती परीक्षाओं के प्रति युवाओं का विश्वास मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बीते साढ़े चार वर्षों में 34 हजार से अधिक युवाओं को पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ सरकारी सेवाओं में नियुक्ति प्रदान की है। उन्होंने कहा कि आज 187 और युवाओं के इस अभियान से जुड़ने के साथ राज्य सरकार की युवा हितैषी प्रतिबद्धता और अधिक मजबूत हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड पीसीएस मुख्य परीक्षा-2024 के लिए 71 हजार से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए थे जिनमें से केवल 182 अभ्यर्थियों का चयन हुआ।

सुविचार

क्रोध में बोला गया एक कठोर शब्द इतना जहरीला हो सकता है कि आपकी सौ अच्छाइयों को एक पल में नष्ट कर दे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाकिस्तान में सिक्ख धरोहरों का अपमान

पाकिस्तान में लगभग 125 साल पुराने गुरुद्वारे को ढहाए जाने की घटना अत्यंत निंदनीय है। यह पड़ोसी देश दुनिया को धार्मिक सहिष्णुता और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर उपदेश देता है, लेकिन खुद उन पर बिल्कुल अमल नहीं करता है। इतना पुराना गुरुद्वारा ऐतिहासिक दृष्टि से भी बहुत अहमियत रखता है। यह अविभाजित भारत और स्वतंत्रता संग्राम का साक्षी रहा है। उस समय किसी ने सोचा नहीं होगा कि एक दिन ऐसा आएगा, जब यह धरती पराई हो जाएगी। पाकिस्तान में वर्ष 1947 से ही हिंदुओं और सिक्खों के धार्मिक स्थलों पर हमले हो रहे हैं। वहां मंदिरों और गुरुद्वारों की संख्या हजारों में थी, जो अब गिनती के बचे हैं। वे भी कट्टरपंथियों की आंखों में खटक रहे हैं। उन्हें जानबूझकर तोड़ा जा रहा है। लाहौर, जो सांस्कृतिक दृष्टि से बहुत संपन्न था, में ऐसे कई खंडहर हैं, जो कभी सुंदर मंदिर होते थे। हमारे पूर्वजों ने केपीके से लेकर सिंध तक भव्य मंदिर और गुरुद्वारे बनवाए थे। कभी वहां पूजा-प्रार्थनाएं होती थीं, लेकिन अब उनका अस्तित्व खतरे में है। जुलाई 2023 में ऐतिहासिक गुरुद्वारा 'रोड़ी साहिब' पाकिस्तान की घोर उपेक्षा के कारण ढह गया था। इस देश ने उसके संरक्षण की ओर कोई ध्यान नहीं दिया था। आखिरकार, बारिश में उसकी दीवारें गिर गईं। अगस्त 2021 में, रहीम यार ख़ान जिले के भोंग शहर में स्थित गणेश मंदिर पर कई कट्टरपंथियों ने हमला कर दिया था। उन्होंने मंदिर में जमकर तोड़फोड़ की और मूर्तियों को खंडित किया था। उस घटना का वीडियो वायरल होने से पाकिस्तान की चौतरफा निंदा हुई थी। बाद में, पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय ने स्वत: संज्ञान लेने का नाटक करते हुए कार्रवाई का आदेश दिया। कुछ लोगों की गिरफ्तारियां भी हुईं, लेकिन सख्त सजा किसी को नहीं दी गई। प्राय: ऐसे मामलों में कुछ दिन बाद आरोपियों को छोड़ दिया जाता है। इससे उनका दुस्साहस बढ़ता है। वे भविष्य में अल्पसंख्यकों के किसी अन्य धार्मिक स्थल पर जाकर उपद्रव मचाते हैं।

दिसंबर 2022 में, लाहौर स्थित गुरुद्वारा 'शहीद भाई तारू सिंह' पर कट्टरपंथियों ने ताला जड़ दिया था। उन्होंने गुरुद्वारे की जमीन पर अवैध कब्जा कर दुकानें बना ली थीं। पाकिस्तानी कट्टरपंथियों ने उसे गुरुद्वारा मानने से ही इन्कार कर दिया था। ये घटनाएं सोशल मीडिया के कारण चर्चा में आईं। इससे पहले, हिंदुओं-सिक्खों के अनगिनत धार्मिक स्थलों के साथ ऐसा हुआ था। ताज्जुब की बात है कि कनाडा और अमेरिका में रहकर 'खालिस्तान' के नाम पर भारत को आंखें दिखाने वाले कुछ गुमराह लोगों को यह सब दिखाई नहीं देता है। वे पाकिस्तान में हो रहे गुरुद्वारों के अपमान पर खामोश रहते हैं। वहां जब किसी सिक्ख व्यक्ति पर हमला होता है तो 'खालिस्तान' के हिमायती चुप्पी साध लेते हैं। जब किसी सिक्ख बालिका का अपहरण और जबरन धर्मांतरण होता है तो वे उदासीनता दिखाते हैं। उनके मुंह से एक शब्द नहीं निकलता है। वे एक काल्पनिक दुनिया में रहते हैं कि इधर भी पंजाब, उधर (पाकिस्तान) भी पंजाब ... इसलिए सरहद पार वाले हमारे साथ भाईचारा निभाएंगे! पाकिस्तानियों का भाईचारा यह है कि वर्ष 1947 में वहां जो अल्पसंख्यक लगभग 24 प्रतिशत थे, वे आज लगभग 3 प्रतिशत पर आ गए हैं। सिक्खों की आबादी एक प्रतिशत भी नहीं है। ये लोग कहां गए? क्या 'खालिस्तान' के समर्थकों ने कभी इस्लामाबाद से यह सवाल पूछा? पूछेंगे भी नहीं, क्योंकि इसके लिए अक्ल और हिम्मत, दोनों की ज़रूरत होती है। वे विदेश में रहकर भारत के खिलाफ नारे लगाते-लगाते इन दोनों को ही आईएसआई के कदमों में गिरवी रख आए हैं।

ट्वीटर टॉक

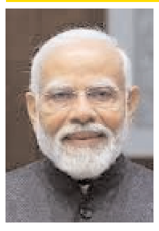

बालोतरा में आज का प्रोग्राम ऐतिहासिक होगा, जिसमें 1.06 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा के कामों का उद्घाटन और शिलान्यास होगा। इसमें पचपदरा में इंटीग्रेटेड रिफाइनरी-कम-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स का लोकार्पण भी शामिल है। यह प्रोजेक्ट भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा।

-नरेन्द्र मोदी

भारत अब सिर्फ़ एक खरीदार नहीं रहा; यह दुनिया का भरोसेमंद मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर बन रहा है। मई 2026 में 45.2 बिलियन के रिकॉर्ड एक्सपोर्ट और 18% ग्रोथ के साथ, ग्लोबल सप्लाई चेन में भारत का हिस्सा लगातार मज़बूत हो रहा है।

-अर्जुनरा मेघवाल

बॉम्बे हाई कोर्ट के माननीय जस्टिस माधव जामदार की सख्त टिप्पणियों ने इगझ सरकार के दबाने वाले और गैर-लोकतांत्रिक चरित्र को पूरी तरह से सामने ला दिया है। सरकार को इन टिप्पणियों पर सिर्फ़ 'सोचना' नहीं चाहिए।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

लगन से सफलता

माइकल फैराडे, लंदन की एक साधारण पुस्तक बांधने की दुकान में काम करता था। दिनभर वह ग्राहकों की पुस्तकों पर जिल्द चढ़ाता, पन्ने सिलना और अलमारियां व्यवस्थित करता। उसकी एक आदत थी। जब भी कोई वैज्ञानिक की पुस्तक दुकान में आती, वह काम पूरा होने के बाद उसके कुछ पन्ने ध्यान से पढ़ता। एक दिन उसे प्रसिद्ध वैज्ञानिक हम्फ्री डेवी के व्याख्यान सुनने का अवसर मिला। फैराडे ने व्याख्यान के दौरान विस्तार से नोटस बनाए। कई दिनों तक वह उन नोटस को साफ-सुथरे ढंग से लिखता रहा और फिर उन्हें पुस्तक की तरह बांधकर डेवी को भेज दिया। साथ में एक विनम्र पत्र भी था, 'मैं विज्ञान सीखना चाहता हूं।' कई सप्ताह तक कोई उत्तर नहीं आया। एक दिन अचानक संदेश आया। डेवी ने उन्हें मिलने बुलाया था। मुलाकात के दौरान उन्होंने फैराडे के नोटस देखे और उनकी लगन से प्रभावित हुए। कुछ समय बाद प्रयोगशाला में सहायक की एक छोटी-सी जगह खाली हुई। डेवी ने फैराडे को अवसर दे दिया। प्रयोगशाला में उनका काम शीशियां साफ करना, उपकरण उठाना और व्यवस्था बनाए रखना था।

सामयिक

प्राइवेसी की नई पहल या सुरक्षा की नई चुनौती?

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

आज की डिजिटल दुनिया में जब भी कोई नई सुविधा आती है, तो वह अपने साथ असीम उत्साह और उतनी ही गहरी आशंकाएं लेकर आती है। वर्तमान समय में एक ऐसी ही नई तकनीकी सुविधा को लेकर देश में व्यापक बहस छिड़ गई है। इस नई व्यवस्था के तहत उपयोगकर्ता अपना मोबाइल नंबर सार्वजनिक किए बिना केवल एक विशिष्ट पहचान या गुप्त नाम के माध्यम से दूसरों से बातचीत कर सकेंगे। इस सुविधा का प्राथमिक उद्देश्य लोगों को अपनी बेहद निजी और संवेदनशील जानकारी सुरक्षित रखने का एक बेहतरीन विकल्प देना है। दूसरी ओर, सरकार और कानून व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियों का स्पष्ट मानना है कि यदि इस व्यवस्था में पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं किए गए, तो यही सुविधा साइबर अपराधियों के लिए एक नया और खतरनाक हथियार बन सकती है। भारत वर्तमान में दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल बाजारों में अग्रिम पंक्ति में शामिल है। देश में 80 करोड़ से भी अधिक लोग इंटरनेट का उपयोग करते हैं। करोड़ों लोग प्रतिदिन संदेश भेजने, वीडियो कॉल करने, महत्वपूर्ण दस्तावेज साझा करने और अपना व्यापार चलाने के लिए डिजिटल मंचों का उपयोग करते हैं। ऐसे विशाल बाजार में किसी भी नए तकनीकी बदलाव का असर केवल तकनीक तक सीमित नहीं रहता। इसका सीधा प्रभाव हमारे सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के ढाँचे पर पड़ता है। यही मुख्य वजह है कि सरकार ने इस नई सुविधा को लेकर अत्यंत गंभीर सवाल उठाए हैं और इसके व्यापक विस्तार पर फिलहाल रोक लगाने को कहा है।

सरकार की सबसे बड़ी चिंता पहचान की चोरी और उसके दुरुपयोग को लेकर है। यदि कोई शातिर व्यक्ति किसी प्रसिद्ध बैंक, प्रतिष्ठित सरकारी संस्था, बड़े अधिकारी या किसी सार्वजनिक हस्ती से मिलता-जुलता नाम चुन ले, तो सामान्य उपयोगकर्ता आसानी से भ्रमित हो सकता है। साइबर अपराधी इसी भ्रम और मानवीय विश्वास का अनुचित फायदा उठाकर लोगों से पैसे ठग सकते हैं, उनकी बेहद निजी जानकारी हासिल कर सकते हैं या फर्जी संदेश फैलाकर समाज में अशांति पैदा कर सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि देश में फिशिंग, डिजिटल गिरफ्तारी, निवेश धोखाधड़ी और पहचान बदलकर की जाने वाली ठगी के मामलों में 300 प्रतिशत से भी अधिक की तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इन्हीं बढ़ते जोखिमों को देखते हुए सरकार ने संबंधित तकनीकी कंपनी से एक विस्तृत और स्पष्ट जवाब मांगा है। अधिकारियों का साफ कहना है कि बाजार में इस सुविधा को पूरी तरह लागू करने से पहले यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि यदि किसी अपराधी ने किसी अन्य व्यक्ति या संस्था की पहचान अपनाने की कोशिश की, तो उसे तकनीकी रूप से कैसे रोका जाएगा। इसके साथ ही यह भी बताना आवश्यक होगा कि किसी पीड़ित उपयोगकर्ता द्वारा शिकायत मिलने पर कंपनी की ओर से कार्रवाई कितनी तेजी से होगी। जब तक इन सुरक्षा मानकों पर स्थिति पूरी तरह साफ नहीं हो जाती, तब तक देश के करोड़ों नागरिकों की सुरक्षा को दांव पर नहीं लगाया जा सकता।

दूसरी तरफ, तकनीकी कंपनी ने अपने आधिकारिक स्पष्टीकरण में कहा है कि इस नई सुविधा का उद्देश्य किसी भी अपराधी की वास्तविक पहचान को छिपाना बिल्कुल नहीं है। इसका असली मकसद केवल मोबाइल नंबर की गोपनीयता को एक नया स्तर प्रदान करना है। इस व्यवस्था का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें उपयोगकर्ताओं को खोजने के लिए कोई भी सार्वजनिक सूची या डायरेक्टरी उपलब्ध नहीं होगी। यदि किसी व्यक्ति को किसी अन्य उपयोगकर्ता को संदेश भेजना है, तो उसे उस व्यक्ति का सटीक नाम पता होना अनिवार्य होगा। इस कड़े नियम से अनजान लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर की जाने वाली खोजबीन और अनचाहे संदेशों की संभावना काफी कम हो जाएगी। इसके अलावा, कंपनी ने दावा किया है कि कुछ बेहद महत्वपूर्ण नामों और सरकारी संगठनों के नामों को पहले से ही सुरक्षित कर दिया जाएगा ताकि कोई भी आम व्यक्ति उनका दुरुपयोग न कर सके। साथ ही नए खातों की दैनिक गतिविधियों पर एक निश्चित सीमा और निगरानी भी लागू रहेगी। यह पूरा विवाद वास्तव में दो अत्यंत महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक मूल्यों के बीच एक सही संतुलन खोजने का प्रयास है। इनमें से पहला मूल्य है नागरिक की व्यक्तिगत निजता और दूसरा सबसे बड़ा मूल्य है सामूहिक सार्वजनिक सुरक्षा। आज के समय में अधिकांश लोग अपनी निजी जानकारी को अनजान लोगों के साथ साझा करने से कतराते हैं, जो कि उनका अधिकार है। दूसरी तरफ, देश की कानून व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियां चाहती हैं कि यदि कोई गंभीर अपराध घटित होता है, तो अपराधी तक पहुंचने में उन्हें किसी भी तकनीकी रुकावट का सामना न करना पड़े। डिजिटल युग में पहचान का महत्व लगातार बढ़ रहा है और हर नई तकनीक के साथ नए सुरक्षा उपाय विकसित करना अनिवार्य हो गया है।

भारत में वर्तमान समय में साइबर अपराध की प्रकृति बहुत जटिल हो चुकी है। बैंक खातों से अवैध रूप से पैसे निकालना, नकली निवेश योजनाएं दिखाकर रातों-रात अमीर बनाने का लालच देना और नकली सरकारी अधिकारी बनकर डराना अब बहुत आम हो चुका है। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्ट के अनुसार, देश में रोजाना हजारों लोग इस तरह की धोखाधड़ी का शिकार होते हैं। ऐसे संवेदनशील माहौल में सरकार किसी भी नई तकनीकी सुविधा का मूल्यांकन केवल उसकी आधुनिकता की दृष्टि से नहीं, बल्कि समाज पर पड़ने वाले उसके वास्तविक प्रभाव के आधार पर कर रही है। विशेषज्ञों का भी यही मानना है कि यदि किसी मंच पर मजबूत सत्यापन और त्वरित शिकायत निवारण की व्यवस्था हो, तो जोखिम को 90 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। साधारण उपयोगकर्ताओं की अपनी जायज चिंताएं हैं। बहुत सी महिलाएं और छात्राएं चाहती हैं कि उन्हें अपना मोबाइल नंबर हर किसी को न देना पड़े ताकि वे अवांछित कॉल्स से बच सकें। वहीं दूसरी तरफ, समाज का एक बड़ा वर्ग इस बात से भयभीत है कि कहीं इस नई सुविधा के आने से फर्जी पहचान वाले संदेशों की संख्या और अधिक न बढ़ जाए।

साइबर सुरक्षा केवल किसी तकनीकी मंच या सरकार की अकेले की जिम्मेदारी नहीं है। इसमें उपयोगकर्ताओं की खुद की जागरूकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि कोई व्यक्ति केवल एक परिचित नाम देखकर किसी पर आंख मूंदकर भरोसा कर ले और बिना पूरी पुष्टि किए पैसे भेज दे, तो नुकसान की संभावना हमेशा बनी रहेगी। इसलिए किसी भी प्रकार के आर्थिक लेनदेन से पहले व्यक्ति की वास्तविक पहचान की पुष्टि करना हमेशा आवश्यक होता है। आज के समय में डिजिटल साक्षरता हमारी सबसे बड़ी जरूरत बन चुकी है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को यह अच्छी तरह समझना होगा कि केवल किसी स्क्रीन पर एक जाना-पहचाना नाम दिखाई देना ही सुरक्षा की गारंटी नहीं है। प्राइवेसी और राष्ट्रीय सुरक्षा को एक-दूसरे का विरोधी मानने के बजाय उन्हें हमेशा साथ लेकर चलने की आवश्यकता है। यदि मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, पारदर्शी नियम, त्वरित शिकायत निवारण और जागरूक उपयोगकर्ता एक साथ मिल जाएं, तो हर नई तकनीक समाज के लिए कल्याणकारी साबित होगी।

नजरिया

भारत-जापान का विशेष गठबंधन और 21वीं सदी का नया भारत

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

भारत और जापान के संबंधों की नींव इतनी गहरी है कि व्यापार घाटे या रणनीतिक प्राथमिकताओं के छोटे अंतरालों से इस पर कोई आंच नहीं आती। यह संबंध दो संप्रभु देशों के बीच के व्यापार से कहीं ऊपर उठकर साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, सभ्यतागत बौद्ध कली और भविष्यवादी ष्टि का मेल है।जापान से मिलने वाला खरबों रुपयों का निवेश, बुलेट ट्रेन और सेमीकंडक्टर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का हस्तांतरण, रक्षा प्रणालियों का सह-उत्पादन और भारतीय कार्यबल के लिए जापानी बाजारों का खुलना यह साबित करता है कि इस साझेदारी से भारत को मिलने वाला लाभ अमूल्य और अपरिवर्तनीय है।

भारत एशिया के भू-राजनीतिक परिदृश्य में जब दो महान लोकतांत्रिक शक्तियां एक मजबूत साझा दृष्टिकोण के साथ हाथ मिलाती हैं, तो वैश्विक राजनीति और अर्थशास्त्र की दिशा बदलना स्वाभाविक है। भारत और जापान के बीच के ऐतिहासिक संबंध अब केवल पारंपरिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं; बल्कि यह साझेदारी वर्तमान में एशिया-प्रशांत और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता, समृद्धि और सुरक्षा की सबसे बड़ी धुरी बन चुकी है। भारत-जापान की यह 'विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी' भारत के 'अमृतकाल' के आर्थिक और तकनीकी लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक रीढ़ की हड्डी की तरह काम कर रही है। हाल ही में नई दिल्ली में संपन्न हुए 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन ने दोनों देशों के आर्थिक सुरक्षा दृष्टिकोण को नया आयाम दिया है, जिससे भारत को मिलने वाला सीधा और परोक्ष लाभ वैश्विक स्तर पर रेखांकित हो रहा है।इस साझेदारी का सबसे व्यावहारिक और ठोस पक्ष भारत को मिलने वाला विशाल आर्थिक और तकनीकी लाभ है, जो मुख्य रूप से पांच प्रमुख स्तंभों-पूंजी निवेश, उन्नत बुनियादी ढांचा, रक्षा-तकनीक, कृषि विकास और मानव संसाधन गतिशीलता-पर आधारित है। आर्थिक मोर्चे पर जापान भारत के लिए सबसे विश्वसनीय और बड़ा भागीदार रहा है। साल 2022 में दोनों देशों ने पांच वर्षों में भारत के सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में 5 ट्रिलियन येन (लगभग 3.3 लाख करोड़) के निवेश का जो महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा था, उसे भारत ने समय से दो वर्ष पहले ही हासिल कर लिया। इस असाधारण प्रगति को देखते हुए दोनों प्रधानमंत्रियों ने अगले एक दशक के लिए 10 ट्रिलियन येन (लगभग 6 लाख करोड़) का नया निजी निवेश लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में भारत में 1,500 से अधिक जापानी कंपनियां सक्रिय हैं, जिनके 5,000 से अधिक व्यावसायिक प्रतिष्ठान भारत के औद्योगिक गलियारों में फैले हुए हैं। यह पूंजी केवल वित्तीय तरलता नहीं ला रही, बल्कि भारत में 'मेक इन इंडिया' अभियान को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रही है। जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन के हालिया सर्वेक्षणों में भारत को जापानी कंपनियों के लिए मध्यम और दीर्घकालिक अवधि में दुनिया का नंबर एक निवेश गंतव्य माना गया है। इससे स्पष्ट है कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के विविधीकरण और चीन पर निर्भरता कम करने की रणनीति के तहत जापान भारत को एक सुरक्षित वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है।

देखा जाय तो भारत के आधुनिक बुनियादी ढांचे की तस्वीर बदलने में जापानी 'आधिकारिक विकास सहायता' की भूमिका अद्वितीय रही है। वर्ष 1958 से शुरू हुआ यह सफर आज 52.7 अरब से अधिक के संचयी कर्ज तक पहुंच चुका है, जिसके तहत जापान भारत को सबसे न्यूनतम ब्याज दरों और आसान किस्तों पर दीर्घकालिक ऋण प्रदान करता है। दिल्ली मेट्रो जैसी क्रांतिकारी परिवहन प्रणाली से लेकर भारत की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना यानी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर, सब जापान के तकनीकी और वित्तीय सहयोग की ही देन हैं।यह बुलेट ट्रेन परियोजना केवल दो शहरों के बीच की दूरी कम करने का जरिया नहीं है, बल्कि यह भारत में उच्च-तकनीकी इंजीनियरिंग, सुरक्षा मानकों और भारी मशीनरी निर्माण के एक नए युग की शुरुआत है। इसके अलावा, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक जैसे मेगा प्रोजेक्ट्स सीधे तौर पर भारत में रसद लागत को कम कर रहे हैं, जिससे भारतीय व्यापार की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ रही है। आज की भू-अर्थशास्त्र की जंग केवल पारंपरिक उद्योगों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सिलिकॉन (चिप्स) और डेटा पर लड़ी जा रही है। भारत-जापान साझेदारी ने समय की इस नब्ज को पहचाना है। दोनों देशों के बीच हुए सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन समझौते के तहत भारत में चिप निर्माण की आधारशिला रखी जा चुकी है। जापान की दिग्गज कंपनी 'रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स' भारत की 'सीजी पावर' के साथ मिलकर गुजरात के साणंद में 7,600 करोड़ का अत्याधुनिक प्लांट स्थापित कर रही है, जहां से ऑटोमोटिव और 5ऋ नेटवर्क के लिए प्रतिदिन 1, 5 करोड़ चिप्स का उत्पादन होगा। यही नहीं, 'भारत-जापान एआई सहयोग पहल' के तहत दोनों देशों ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स के विकास पर हाथ मिलाया है। जापान की सटीक हार्डवेयर इंजीनियरिंग और भारत की बेजोड़ सॉफ्टवेयर योग्यताओं का यह संगम वैश्विक एआई विकास को नई दिशा दे रहा है, जो भारत के डिजिटल इंडिया और इंडिया '-ख' मिशन को सीधे गति प्रदान करता है।

भारत की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी आज भी कृषि पर निर्भर है और इस मोर्चे पर भी भारत-जापान सहयोग एक मूक क्रांति का गवाह बन रहा है। हालिया द्विपक्षीय वार्ताओं में 'भारत-जापान बायोगैस पहल' के तहत भारत में 1,000 बायोगैस और जैविक उर्वरक (खाद) कारखाने स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।यह पहल भारत के ग्रामीण परिदृश्य के लिए गेम-चेंजर साबित होने वाली है। यह न केवल देश के किसानों को सस्ती, जैविक और उच्च गुणवत्ता वाली खाद उपलब्ध कराएगी, बल्कि रासायनिक उर्वरकों के आयात पर भारत की निर्भरता को भी कम करेगी। इसके अतिरिक्त, कृषि-प्रौद्योगिकी , खाद्य प्रसंस्करण और कोल्ड-चेन इंफ्रास्ट्रक्चर में जापानी निवेश से फसलों की बर्बादी रुकेगी और किसानों की आय दोगुनी करने के राष्ट्रीय लक्ष्य को बल मिलेगा। एक स्थिर आर्थिक विकास के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा और एक स्वतंत्र, खुला व नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र होना अनिवार्य शर्त है। भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और जापान की 'ऋजखझ' नीति का रणनीतिक संरेखण चीन की आक्रामक और विस्तारवादी नीतियों के खिलाफ एक मजबूत दीवार बनकर उभरा है। दोनों देश क्वाड के सक्रिय सदस्य हैं और 'मालाबार', 'जिमेक्स', 'धर्म गार्जियन' व 'वीर गार्जियन' जैसे नियमित सैन्य अभ्यासों के जरिए दोनों देशों की सेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता चरम पर है।

विशेष रूप से, भारतीय नौसेना के युद्धपोतों पर जापानी नेवल रडार मैस्ट परियोजना का एकीकरण रक्षा उपकरणों के सह-विकास में मील का पत्थर है। यह जापान द्वारा अपनी रक्षा निर्यात पाबंदियों में ढील देने के बाद भारत के साथ किया गया पहला ऐतिहासिक रक्षा समझौता है, जिससे भारत की नौसैनिक मारक क्षमता और स्टील्थ (अदृश्य रहने की) तकनीक को अत्यधिक मजबूती मिली है।इसके अलावा, 'भारत-जापान एक्ट ईस्ट फोरम' के माध्यम से भारत के संवेदनशील पूर्वोत्तर राज्यों में बुनियादी ढांचे, सड़क, पर्यटन और बिजली परियोजनाओं का विकास किया जा रहा है। जापान भारत का इकलौता ऐसा विदेशी भागीदार देश है जिसे पूर्वोत्तर में सीधे निवेश करने की संस्थागत अनुमति प्राप्त है। यह सहयोग न केवल इस क्षेत्र को दक्षिण-पूर्वी एशिया के साथ जोड़ने वाला पुल बनाता है, बल्कि रणनीतिक रूप से चीन की सीमाओं के करीब भारत की स्थिति को अभेद्य करता है। इन आंशिक मतभेदों के बावजूद, भारत और जापान के संबंधों की नींव इतनी गहरी है कि व्यापार घाटे या रणनीतिक प्राथमिकताओं के छोटे अंतरालों से इस पर कोई आंच नहीं आती। यह संबंध दो संप्रभु देशों के बीच के व्यापार से कहीं ऊपर उठकर साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, सभ्यतागत बौद्ध कली और भविष्यवादी दृष्टि का मेल है।जापान से मिलने वाला खरबों रुपयों का निवेश, बुलेट ट्रेन और सेमीकंडक्टर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का हस्तांतरण, रक्षा प्रणालियों का सह-उत्पादन और भारतीय कार्यबल के लिए जापानी बाजारों का खुलना यह साबित करता है कि इस साझेदारी से भारत को मिलने वाला लाभ अमूल्य और अपरिवर्तनीय है। यह साझेदारी केवल भारत की जीडीपी विकास दर को गति नहीं दे रही, बल्कि भारत को 21वीं सदी की एक आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से उन्नत और वैश्विक स्तर पर अदम्य महाशक्ति बनाने के संकल्प को सिद्ध कर रही है। भारत-जापान का यह 'विशेष' गठबंधन वास्तव में 'अमृतकाल' के भारत के लिए एक वरदान साबित हो रहा है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की तैयारी जारी

तेहरान/एपी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के कई दिन तक चलने वाले अंतिम संस्कार कार्यक्रम की शुक्रवार को जारी तैयारियों के बीच तेहरान में बैनर लगाकर लोगों से उस विनाशकारी युद्ध के बाद इस्लामी गणराज्य के समर्थन में खड़े होने का आह्वान किया गया जिसमें 86 वर्षीय खामेनेई की मौत हो गई थी। ईरान सरकार का आकलन है कि शनिवार से राजधानी की सड़कों पर लाखों लोग उतरेंगे। यह दृश्य 1989 में दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला रूहुल्ला खुमैनी के अंतिम संस्कार जैसा हो सकता है। इससे खासकर ऐसे समय में ईरान सरकार का मनोबल बढ़ाने में मदद मिल सकती है, जब वह युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत में होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपने नियंत्रण का लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। इस बीच, इस बात की आशंका भी बनी हुई है कि इजराइल दोबारा हमला कर सकता है।

ईरान के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड' के प्रमुख जनरल अहमद वाहिदी कई महीनों बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आए। अन्य शीर्ष सरकारी अधिकारियों और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों के भी अंतिम संस्कार में शामिल होने की संभावना है। अंतिम संस्कार की तैयारी में जुटे स्वयंसेवक मोहम्मद हुसैन रजाई ने कहा, ''जब तक ईश्वर द्वारा चुने गए ये लोग मैदान में हैं, हम इस्लामी गणराज्य की अपमान को ना' कहने वाली नीति पर निश्चित रूप से चलते रहेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हम स्वतंत्रता की अपनी नीति जारी रखेंगे। फैसले देश के भीतर लिए जाएंगे और लोग अपना भविष्य स्वयं तय करेंगे।'' ईरानी ध्वज में लिपटा खामेनेई का ताबूत तेहरान स्थित ग्रैंड मोसल्ला' में रखा गया। उसके पास उनके उन परिजनों के ताबूत भी रखे गए जो 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के शुरुआती क्षणों में इजराइली हवाई हमले में मारे गए थे। मारे गए लोगों में खामेनेई के एक दामाद, उनकी सबसे बड़ी बेटी, 14 महीने की नातिन और ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई की पत्नी शामिल हैं। मुजतबा खामेनेई पूर्व सर्वोच्च नेता के पुत्र हैं और हमले में कथित रूप से घायल होने के बाद से सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। धार्मिक नेताओं और विदेशी गणमान्य

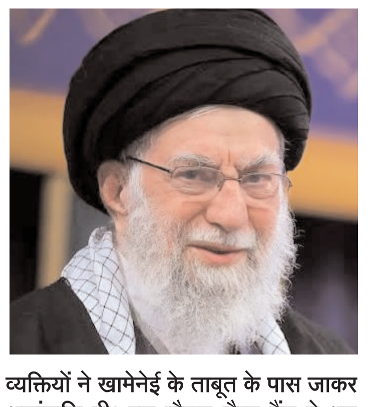

व्यक्तियों ने खामेनेई के ताबूत के पास जाकर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सैन्य बैंड ने धुन बजाई और एक व्यक्ति ने फातिहा पढ़ा। ईरान के सरकारी मीडिया द्वारा जारी वीडियो में बृहस्पतिवार रात खामेनेई के लिए आयोजित एक शोकसभा दिखाई गई। काले कपड़े पहने शोकाकुल लोगों ने स्कार्फ और अन्य वस्तुएं वहां मौजूद सहायकों की ओर फेंकीं ताकि उन्हें ताबूत से स्पर्श कराया जा सके। ईरान में यह एक आम परंपरा है। सरकारी मीडिया ने बताया कि ये लोग 2025 के 12 दिवसीय युद्ध और हाल के ईरान युद्ध में अपने प्रियजन को गंवा चुके हैं। बाद में सरकारी मीडिया ने खामेनेई के ताबूत की तस्वीरें जारी कीं, जिस पर लाल झंडा लिपटा हुआ था। इस झंडे पर सफेद अक्षरों में 'या हुसैन' लिखा था। यह शिया समुदाय का एक वाक्यांश है, जो पैगंबर मोहम्मद के नवासे की सातवीं सदी में हुई शहादत की याद दिलाता है। परंपरागत रूप से यह झंडा अन्यायपूर्ण तरीके से मारे गए व्यक्ति के बहाए गए खून और उसका बदला लेने के आह्वान का भी प्रतीक है। ईरान के सरकारी मीडिया द्वारा ऑनलाइन प्रसारित तस्वीरों में वाहिदी बृहस्पतिवार को खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़ी एक बैठक में शामिल होते नजर आए। बाद में वह खामेनेई के ताबूत के पास बैठे दिखाई दिए। ईरान के शासन ने बृहस्पतिवार रात मध्य तेहरान में सर्वोच्च नेता के पूर्व आवास के पास उनके लिए एक छोटी शोकसभा आयोजित की थी। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के साथ युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने के संभावित समझौते पर बातचीत में ईरान का कड़ा रुख तय करने में वाहिदी की अहम भूमिका है।

ध्रुव राठी का वीडियो हटाने की मांग वाली याचिका पर फैसला के लिए केंद्र को 15 दिन का समय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को यूट्यूबर ध्रुव राठी के एक अपमानजनक' वीडियो को हटाने का अनुरोध करने वाली याचिका पर केंद्र सरकार की शिकायत अपीलीय समिति को 15 दिनों के भीतर फैसला लेने का निर्देश दिया। याचिका में कहा गया है कि इस वीडियो से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने अधिवक्ता अमिता सचदेवा द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया। याचिका में अपीलीय समिति को मामले पर शीघ्र निर्णय लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

अदालत ने कहा कि आदेश की किसी भी तरह की 'अवहेलना को गंभीरता से' लिया जाएगा। अदालत ने कहा, अपीलीय समिति याचिकाकर्ता की अपील पर 15 दिनों के भीतर शीघ्रता से फैसला करे और इसकी सूचना अदालत को दे। अगर इसके बाद भी कोई शिकायत रहती है, तो आप नई याचिका दायर कर सकते हैं। याचिकाकर्ता का कहना था कि दो महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद समिति ने गूगल द्वारा संबंधित वीडियो को तुरंत हटाने से इनकार किए जाने के खिलाफ उनकी अपील पर अब तक कोई फैसला नहीं लिया है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने कहा कि किसी मध्यस्थ मंच की कानूनी जिम्मेदारी है कि वह उचित सावधानी बरते और ऐसे कंटेंट को हटाए, जिनमें बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाली पोस्ट भी शामिल हैं।

'अगर सुधार करना है तो अपना बचाव करना बंद करो', कंगना रनौत ने राम कपूर को लगाई फटकार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कंगना रनौत ने रियलिटी शो 'लॉक अप 2' में 'जनता की आवाज' के रूप में एंट्री की। इस दौरान उन्होंने फराह खान और रितेश देशमुख के साथ मिलकर प्रतियोगियों से बातचीत की। शो के दौरान कंगना ने लोकप्रिय टीवी अभिनेता राम कपूर को उनके रवैये को लेकर खरी-खरी सुनाई। कंगना ने राम कपूर से कहा कि अगर वह खुद में सुधार करना चाहते हैं तो उन्हें हर बात पर अपना बचाव करना बंद करना होगा।'क्वीन' अभिनेत्री ने राम कपूर से कहा, रामजी, आपको इस गेम को इतनी गंभीरता से नहीं लेना चाहिए था और अगर आपको लगता है कि आप इस जेल के लिए बहुत बड़े हैं तो फिर यहां आए ही क्यों? अपनी बेवकूफी दिखाने के लिए?

इस पर राम कपूर ने अपना बचाव करते हुए कहा, जब सही समय आएगा, तब मैं अपनी सच्चाई स्वीकार करूंगा और यहां मौजूद किसी भी व्यक्ति से बेहतर तरीके से करूंगा।इस पर कंगना ने उन्हें दोबारा चेतावनी देते हुए कहा, अगर खुद में सुधार करना चाहते हैं तो अपना बचाव करना बंद कर

दीजिए।इससे पहले फराह खान ने भी राम कपूर को इसी तरह का रियलिटी चेक दिया था।'चार्जशीट' सेगमेंट के दौरान फराह ने कहा कि राम कपूर अपने हर शो में मुख्य भूमिका निभाते हैं, लेकिन 'लॉक अप 2' में आने के बाद वह बैकग्राउंड कलाकार बनकर रह गए हैं।

फराह ने कहा, मैं आपसे पूछना चाहती हूं, हर शो में आप लीड रोल निभाते हैं, लेकिन यहां आने के बाद आप बैकग्राउंड एक्टर बन गए हैं।राम कपूर ने इस प्रतिक्रिया को सकारात्मक तरीके से नहीं लिया। उन्होंने फराह को रोकने के अंदाज में अपना हाथ उठा दिया।यह देखकर फराह ने कहा, जो मैं देख रही हूं, वह राम मुझे पसंद नहीं आ रहा। यह मजाकिया भी नहीं है।इसके बावजूद राम कपूर ने कहा, मेरे लिए तो यह मजाकिया है। मैं जैसा हूं, वैसा ही हूं।फराह ने एक बार फिर समझाने की कोशिश करते हुए कहा, आप यहां जो लेक्चर दे रहे हैं, आप असल में ऐसे बिल्कुल नहीं हैं। लेकिन राम कपूर अपनी बात पर अड़े रहे।उन्होंने कहा, तो निकाल दो मुझे। मैं बदलने वाला नहीं हूं। मैं जैसा हूं, वैसा ही रहूंगा।इसके बाद फराह ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, जो लोग नहीं बदलते, वे डायनासोर बन जाते हैं। इस पर राम कपूर ने जवाब दिया, मैं डायनासोर बन जाऊंगा।

'गदरः एक प्रेम कथा' के सेट पर जब सनी देओल ही बन गए निर्देशक, अमीषा पटेल ने एक टेक में पूरा किया सीन

मुंबई/एजेन्सी

15 जून 2001 को रिलीज हुई फिल्म 'गदर: एक प्रेम कथा' अपने दौर की बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म रही। इस फिल्म के सीक्वल 'गदर 2' ने भी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था। फिल्म में सनी देओल और अमीषा पटेल की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। अब फिल्म से जुड़ी एक दिलचस्प कहानी अभिनेत्री अमीषा पटेल ने 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' में साझा की। शो में अमीषा पटेल ने कहा, '''गदर: एक प्रेम कथा' की शूटिंग के दौरान मैं इंडस्ट्री में बिल्कुल नई थी। मेरे लिए यह एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट था और साथ ही एक बड़ा दबाव भी। उसी समय मैं एक और बड़ी फिल्म 'कहो ना प्यार है' की शूटिंग भी कर रही थी, जिससे मेरा शेड्यूल और भी मुश्किल हो गया था। दो अलग-अलग तरह की फिल्मों को एक साथ संभालना मेरे लिए बिल्कुल भी आसान नहीं था और यह दौर मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण समय बन गया था।'' अमीषा ने कहा, ''फिल्म में मैंने सकीना का किरदार निभाया था, जिसके चलते काफी समझ की जरूरत थी। कई बार ऐसा होता था कि मैं इमोशनल सीन में सही परफॉर्म नहीं कर पाती थीं और शूटिंग रुक जाती थी। इस वजह से निर्देशक अनिल शर्मा को बार-बार रिटेक लेने पड़ते थे और कई बार वह इससे परेशान भी हो जाते थे।''

उन्होंने कहा, ''उस समय सेट पर माहौल काफी दबाव वाला होता था, क्योंकि लगातार रिटेक के कारण शूटिंग आगे नहीं बढ़ पा रही थी। इस दौरान अभिनेता सनी देओल ने काफी मदद की। उन्होंने मेरे संघर्ष को समझा। कई बार वे निर्देशक से यह भी कहते थे कि उन्हें कुछ समय के लिए सेट से बाहर जाने दिया जाए और फिर खुद सीन को संभालते थे।''

अमीषा ने बताया, ''सनी देओल कई मौकों पर खुद एक तरह से डायरेक्टर की भूमिका में आ जाते थे। वे मुझे सीन समझाते थे और सही इमोशन्स लाने में मदद करते थे, जिसके बाद मेरा शॉट अक्सर एक ही टेक में पूरा हो जाता था। यह मेरे लिए बहुत बड़ा सहारा था, क्योंकि उस समय मैं सीखने की प्रक्रिया में थीं और हर दिन कुछ नया अनुभव कर रही थीं।''

उन्होंने बताया, ''सनी देओल असल जिंदगी में बहुत शांत और शर्मीले स्वभाव के हैं, लेकिन उनके साथ मेरा रिश्ता शूटिंग के दौरान बहुत मजबूत हो गया था। सेट पर कई लोग यह देखकर हैरान होते थे कि एक नई अभिनेत्री और इतने बड़े स्टार के बीच इतनी अच्छी बॉन्डिंग कैसे बन गई। वह हमेशा मेरे साथ खड़े रहते थे और अगर मुझे किसी भी तरह की परेशानी होती थी, तो वे तुरंत मदद के लिए आगे आ जाते थे।''

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बस के खाई में गिरने से 40 लोगों की मौत

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में शुक्रवार को एक बस के गहरी खाई में गिर जाने से महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह हादसा उस समय हुआ, जब पेशावर जा रही बस बलूचिस्तान के शेरानी जिले को पार करने के बाद खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में दाखिल हुई। अधिकारियों ने बताया कि आठ लोगों को बचा लिया गया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बात की आशंका है कि पहाड़ी इलाके में एक दुर्गम मोड़ से गुजरते समय बस के ब्रेक ने काम करना बंद कर दिया, जिससे वह फिसलकर सड़क से नीचे खाई में गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

विवाह बंधन में बंधेंगे टेलर स्विफ्ट और ट्रैविस केल्स

न्यूयॉर्क/एपी। मशहूर गायिका टेलर स्विफ्ट और फुटबॉल खिलाड़ी ट्रैविस केल्स की शादी शुक्रवार को मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होगी। न्यूयॉर्क के इस मशहूर स्थल पर होने वाले शानदार समारोह में जोड़े के करीबी दोस्त और परिवार के लोग, साथ ही अनेक मेहमान भी शामिल होंगे। इस शादी समारोह से जुड़ी कई बातें अभी सार्वजनक रूप से ज्ञात नहीं हैं, शादी का कार्यक्रम शुक्रवार शाम पांच बजे शुरू होगा और शनिवार सुबह चार बजे तक चल सकता है।

मुंबई की लोकल ट्रेन में गुजरे मेरे संघर्ष के दिन : रिद्धि डोगरा

मुंबई/एजेन्सी

रिद्धि डोगरा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्हें सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में काम किया। अच्छी एक्टिंग की वजह से उन्हें शाहरुख खान जैसे बिग स्टार के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री की खास बात यह है कि वह आज सफल हैं। लेकिन, उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद रखा है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए भीड़-भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में सफर करने के दिनों को याद किया। उन्होंने उन मुश्किलों का जिक्र किया, जिनका उन्होंने सामना किया और उस दृढ़ संकल्प के बारे में बताया, जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनके रास्ते को आकार दिया। रिद्धि ने लिखा कि मुझे हमेशा से जुलाई का महीना पसंद रहा है। इन तस्वीरों ने जुलाई के पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं। जुलाई 2005 में मेरी मुंबई की कहानी शुरू हुई थी। कॉलेज से नई-नई निकली थी और बड़ी दुनिया में पढ़ने, घूमने-फिरने, जीने और सीखने के लिए उत्सुक थी। इसीलिए, मैंने मुंबई को चुना। यह एक ऐसा शहर है, जो अनजाने में मुझे लंबे समय से बुला रहा था। मुझे इस शहर की हलचल भरी जिंदगी और आकर्षण में सुकून मिलता है।

रिद्धि डोगरा ने लिखा कि लोकल ट्रेनें मेरी सबसे पसंदीदा जगह बन गई थीं। 2005 से 2007 के बीच मैं एक ही दिन में कई तरह के वाहनों से सफर करती थी। पहले

कॉलेज जाती, फिर अपनी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की नौकरी पर जाती। मैं पूरा समय ट्रेन की खिड़की से बाहर देखते हुए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में सोचते हुए मुस्कुराती रहती थी। मुझे पूरा यकीन था कि मेरा भविष्य बहुत शानदार होने वाला है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मैं अपनी किस्मत की खुद मालिक थी। आज जिसे हम विजुअलाइजेशन और मैनिफेस्टेशन कहते हैं, वह मैं उन दिनों रोज करती थी। लोग उसे 'दिन में सपना देखना' कहते थे। इस दौरान एक गाना मेरे आईपॉड पर सबसे ज्यादा चलता था।रिद्धि डोगरा को असुर में नुसरत, ऑल्ट बालाजी की द मैरिड वुमन में आस्था, स्टार प्लस की मर्यादा: लेकिन कब तक? में प्रिया और वो अपना सा में निशा का किरदार निभाने के लिए पहचान मिली।वह नच बलिए 6 और फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 6 जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं। रिद्धि डोगरा द साबरमती रिपोर्ट, लकड़बग्घा, और जवान जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

प्रदर्शन

विभिन्न मांगों को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ अगरतला के सर्किट हाउस के पास धरना प्रदर्शन में शामिल ट्राइबल यूथ फेडरेशन के सदस्य और समर्थक।

महायज्ञ

अयोध्या के राम मंदिर में कथित दान चोरी के विरोध में महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी द्वारा आयोजित महायज्ञ में भाग लेते मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और वरिष्ठ पार्टी नेता पी.सी. शर्मा।

लॉस एंजिल्स में भाषा से जुड़ी चुनौतियों पर बोलीं सना सईद, 'सुना जाना सबसे जरूरी होता है'

मुंबई/एजेन्सी

सुपरहिट फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में शाहरुख खान की बेटी 'अंजलि' का किरदार निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली अभिनेत्री सना सईद ने सोशल मीडिया पर अपना एक अनुभव साझा किया। दरअसल, उन्होंने विदेश में रहने के दौरान भाषा, उच्चारण और संवाद से जुड़ी कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की। सना सईद आज लॉस एंजिल्स में रहती हैं और अपने करियर और जीवन को नए तरीके से आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने अमेरिका पहुंचने के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प अनुभव बताया। सना ने बताया, साल 2016 में मैं पहली बार पढ़ाई के लिए लॉस एंजिल्स आईं थी। इस दौरान मुझे रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों में भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

मुझे याद है कि एक बार मैं एक रेस्टोरेंट में गई थी और वहां पानी पीना चाहती थी लेकिन मेरा उच्चारण वहां के लोगों को ठीक से समझ नहीं आया। मैंने कई बार 'वॉटर' कहा, लेकिन रेस्टोरेंट वाला अलग-अलग चीज समझता रहा और यहां तक कि 'सोडा' या

'कोक' तक ऑफर करने लगा।

उन्होंने आगे कहा, ''उस दिन मुझे एहसास हुआ कि अगर मुझे अमेरिका में लंबे समय तक रहना है, तो मुझे अपने बातचीत करने के तरीके पर काम करना होगा, क्योंकि सुना जाना सबसे जरूरी है। इसके बाद मैंने अपने उच्चारण और बोलने के तरीके पर ध्यान देना शुरू किया और इसके लिए ट्रेनिंग भी ली।''

सना ने बताया कि यह प्रक्रिया आसान नहीं थी। किसी नए देश में जाकर वहां की भाषा के अनुसार खुद को ढालना बिल्कुल एक नई भाषा सीखने जैसा होता है। इसमें समय, मेहनत और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, ''कई लोग सोचते हैं कि उच्चारण बदलना बहुत आसान है, लेकिन असल में इसके पीछे बहुत मेहनत और आत्मविश्वास की जरूरत होती है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे इस बात से परेशानी होती है कि लोग अक्सर किसी के उच्चारण का मजाक उड़ाते हैं या उसे गलत समझते हैं। हर व्यक्ति का बोलने का अपना तरीका होता है, जो उसकी संस्कृति और पृष्ठभूमि से जुड़ा होता है। इसलिए किसी के उच्चारण को लेकर नकारात्मक टिप्पणी करना सही नहीं है।''

सना ने अपने वीडियो में कहा, ''मेरे लिए संवाद करना सिर्फ बोलना नहीं है, बल्कि अपने विचारों को सही तरीके से दूसरों तक पहुंचाना है। अभिनय के क्षेत्र में काम करने वाले कलाकारों के लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि उनकी आवाज और संवाद ही उनका सबसे बड़ा साधन होता है।''

अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में सना ने लिखा, ''मेरा एक्सेंट अभी भी पूरी तरह परफेक्ट नहीं है लेकिन मुंबई और लॉस एंजिल्स के बीच के इस सफर ने मुझे एक बड़ा सबक दिया है। किसी भी भाषा या उच्चारण को लेकर शर्म महसूस करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी तरह से बोलता है और यह पूरी तरह सामान्य है। जब मैं अपनी मां से बात करती हूं, तो मेरा पुराना मुंबई वाला अंदाज फिर से लौट आता है।''

जब राजकुमार ने गोविंदा की गिफ्ट की हुई शर्ट को काटकर बना दिया रुमाल

मुंबई/एजेन्सी

दिवंगत अभिनेता राजकुमार अपनी दमदार आवाज, शाही और बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते थे। उनके बारे में कई मशहूर किस्से हैं, जिनमें एक किस्सा अभिनेता गोविंदा से जुड़ा हुआ है। दरअसल, गोविंदा ने उन्हें एक शर्ट गिफ्ट की थी, जिसे उन्होंने बाद में रूमाल बनवा लिया था। राजकुमार का जन्म 8 अक्टूबर 1926 को बलूचिस्तान (अब पाकिस्तान में है) में एक कश्मीरी पंडित परिवार में हुआ था। उनका असली नाम कुलभूषण पंडित था। वे बचपन से ही साधारण जीवन जीते थे और बाद में काम की तलाश में मुंबई आ गए। फिल्मों में आने से पहले वे मुंबई पुलिस में सब-इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत थे। उनकी पहचान एक सख्त और ईमानदार पुलिस अफसर की थी, लेकिन किस्मत उन्हें फिल्मी दुनिया की ओर ले गई। कहा जाता है कि एक बार फिल्म निर्माता बलदेव दुबे किसी काम से पुलिस स्टेशन आए थे, जहां उनकी मुलाकात राजकुमार से हुई। उनकी बातचीत और आत्मविश्वास से प्रभावित होकर उन्होंने राजकुमार को अपनी फिल्म 'शाही बाजार' में काम करने का ऑफर दिया। राजकुमार पहले से ही अभिनय की दुनिया में आना चाहते थे, इसलिए

उन्होंने तुरंत नौकरी से इस्तीफा देकर फिल्मी करियर शुरू कर दिया।

साल 1952 में उनकी पहली फिल्म 'रंगीली' रिलीज हुई। शुरुआत में उन्हें ज्यादा सफलता नहीं मिली, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। इसके बाद उन्होंने 'मदर इंडिया', 'पाकीजा', 'वक्त', 'हीर रांझा', 'सौदागर' और 'तिरंगा' जैसी कई यादगार फिल्मों में काम किया। धीरे-धीरे वे हिंदी सिनेमा के सबसे मजबूत कलाकारों में शामिल हो गए। अपने करियर में उन्होंने लगभग 70 फिल्मों में अभिनय किया। उनके जीवन का एक सबसे मशहूर किस्सा अभिनेता गोविंदा से जुड़ा है। फिल्म 'जंगबाज' की शूटिंग के दौरान गोविंदा ने राजकुमार को एक खूबसूरत शर्ट गिफ्ट की थी। गोविंदा को उम्मीद थी कि राजकुमार उसे पहनेंगे, लेकिन कुछ दिनों बाद जब वे सेट पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि वही शर्ट काटकर रूमाल बना दिया गया है। यह देखकर गोविंदा हैरान रह गए।

अपने लंबे करियर में उन्होंने कई पुरस्कार भी हासिल किए। उन्हें फिल्म 'दिल एक मंदिर' और 'वक्त' जैसी फिल्मों के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, उन्हें उनकी दमदार भूमिकाओं और अभिनय के लिए हमेशा सराहा गया। राजकुमार अपने जीवन के अंतिम वर्षों में गले के कैंसर से जूझ रहे थे। इस बीमारी का उनकी आवाज पर भी असर पड़ा। 3 जुलाई 1996 को 69 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया।

जैन संतों का आध्यात्मिक मिलन एसपीआर में हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य तेरापंथ समुदाय के डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी तथा जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक तपागच्छ के मुनि परमयश विजयजी का आध्यात्मिक मिलन एवं प्रेरणादायी प्रवचन एसपीआर अपार्टमेंट बिन्नी मिल में आयोजित हुआ। इस अवसर पर उपस्थित श्रावक समाज को संबोधित करते हुए डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने कहा आत्मा से परमात्मा बनना ही हर धार्मिक व्यक्ति का लक्ष्य होना चाहिए। आत्मा को दुर्गति में जाने से बचाने का प्रयास करें। मुनिश्री ने आगे कहा कषाय रूपी बोझ से आत्मा भारी कर्मा होकर दब रही है, उससे हल्का होने का प्रयास करें यही परमात्मा तक पहुंचने का सरल मार्ग है। मुनिश्री ने आगे कहा जैन धर्म तोड़ना नहीं जोड़ना सिखाता है। हम संप्रदाय में रहते हुए समन्वय के साथ रहे तो जीवन आनंदमय बन सकेगा। मुनि श्री ने चातुर्मासिक धर्म आराधना में जपोत्सव के अंतर्गत सीमंधर स्वामी का सवा लाख जाप करने की प्रेरणा दी।

मुनि परमयश विजयजी ने प्रवचन देते हुए कहा संसार में सुख बाह्य चीजों में खोजने के बजाय अपने भीतर खोजें। बाहर की सुविधा सुख और शांति नहीं दे सकते। हर व्यक्ति आत्म सुख को पाने का प्रयत्न करें। व्यवहार नय से निश्चय नय की तरफ बढ़ने का संकल्प लें।

मुनि आदित्य कुमार, मुनि दक्ष विजय, मुनि चरित्र विजय ने अपनी मंगल भावना व्यक्त की। मूर्तिपूजक समाज से गौतम ओसवाल, अश्विन जैन, प्रवीन जैन ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर तेरापंथ श्रावक समाज से निवर्तमान सभा अध्यक्ष अशोक खतंग, गजेंद्र सेठिया, प्रकाश चंद्र मुथा, नेमीचंद बोथरा, विनोद राजेश बोथरा, हनुमानमल घोड़ावत, अशोक चंडालिया आदि उपस्थित थे।

एलायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट-208 का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एलायंस क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट-208 का उदघाटन समारंभ हाल ही में वेपेरी के बैंक्वेट हॉल में हुआ। इस मौके पर, डिस्ट्रिक्ट- चीफ ऑफिसर्स की स्थापना और प्रोजेक्ट्स का विमोचन इंटरनेशनल प्रेसिडेंट मनीष लखोटिया की मौजूदगी में हुआ। एमएल गुप्ता और सुनीताबेन सुराणा, गौरव सिंघल को उनके उदार शब्दों के लिए आभार व्यक्त किया। उनकी प्रेरणा देने वाली मौजूदगी, गाइडेंस और आशीर्वाद ने इस प्रोग्राम को सचमुच यादगार बना दिया और नए एलायंस साल की शानदार शुरुआत की। सभी का स्वागत माला, शॉल और बधाई देकर किया गया।

मुख्यअतिथि मनीष भाई लखोटिया और एमआई गुप्ता ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। बच्चों द्वारा स्वागत नृत्य किया गया। नूतन जिले के दो प्रकल्प - टेटर प्रिंस की प्रेमाजिल और प्रेमाजिल रेड कोरल और स्थायी प्रकल्पों का उद्घाटन मनीषभाई लखोटिया ने किया। नारी उत्कर्ष योजना के तहत दो जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन और इस्त्री मुफ्त में प्रदान की गई जिससे वे सशक्त बनें ताकि वे एक स्थायी आजीविका कमा सकें और आर्थिक रूप से स्वतंत्र बन सकें। स्कूल की सफाई और स्वच्छता पहल में डिस्ट्रिक्ट 208 के उद्घाटन समारोह में लगभग 100 सदस्य शामिल हुए। अलकाबेन पटेल के धन्यवाद ज्ञापित किया।

निंदा से कभी विचलित नहीं होना चाहिए : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ नॉर्थ टाउन स्थित एएमकेएम जैन स्थानक में विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने शुक्रवार को प्रवचन के दौरान कहा कि इस संसार में यदि कोई घटना शत-प्रतिशत निश्चित है तो वह है मृत्यु। जन्म लेने वाला प्रत्येक जीव एक दिन इस संसार से अवश्य विदा होगा। जिस सत्य को टाला नहीं जा सकता, उससे भय कैसा? वास्तव में मृत्यु भय का कारण नहीं है, बल्कि मृत्यु के लिए अप्रस्तुत होना भय का कारण है। जिसने जीवनभर केवल शरीर, परिवार, धन और पद को ही अपना सर्वस्व माना, उसे मृत्यु सब कुछ छिन जाने जैसी प्रतीत होती है। पर जिसने आत्मा को पहचाना, धर्म को जीवन का आधार बनाया और संयम-साधना का अभ्यास किया, उसके लिए मृत्यु महोत्सव बन जाती है। हमें मृत्यु को

महोत्सव बनाने की साधना अभी से प्रारंभ करनी चाहिए। मोहनीय कर्म का प्रभाव बड़ा विचित्र है। यही कर्म मनुष्य को करणीय कर्तव्यों की उपेक्षा और अकरणीय कार्यों में प्रवृत्त कर देता है। धर्म करने का समय नहीं मिलता, परंतु व्यर्थ की निंदा विकथा, चर्चाओं और मौज शौक के लिए समय ही समय होता है।

मुनिश्री ने आगे कहा कि निंदा इस संसार का स्वाभाविक नियम है, जबकि प्रशंसा प्रायः स्वार्थ, संबंध अथवा मजबूरी से प्राप्त होती है। इसलिए व्यक्ति को दूसरों की बातों से विचलित होने के बजाय अपने कर्तव्य और श्रेष्ठ कर्मों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसार में निंदा उसी व्यक्ति की होती है जो जीवंत, सक्रिय और कर्मशील होता है। जो समाज में कुछ अच्छा करने का प्रयास करता है, वही आलोचनाओं का भी पात्र बनता है। मृत्यु के बाद तो विरोधी भी व्यक्ति के गुणों का बखान करने लगते हैं। इसलिए आलोचना से घबराने के बजाय पर उसे धैर्य और आत्मविश्वास के साथ स्वीकार करना चाहिए।

गुरुदेव ने कहा कि पत्थर भी उसी वृक्ष पर फेंके जाते हैं जो फलों से लदा होता है। इसी प्रकार गुणवान, प्रभावशाली और सफल व्यक्ति ही प्रायः आलोचनाओं का सामना करता है। यदि कोई आपकी निंदा कर रहा है तो यह भी संकेत हो सकता है कि आपके कार्यों ने समाज का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक आलोचना को शत्रुता की दृष्टि से नहीं देखना चाहिए। यदि आलोचना में सत्य का अंश हो तो उसे स्वीकार कर आत्मसुधार करना चाहिए, किंतु यदि वह ईर्ष्या, द्वेष अथवा पूर्वाग्रह से प्रेरित हो तो उसे मन पर बोझ नहीं बनने देना चाहिए।

निःशुल्क मासिक नेत्र जांच शिविर में 69 मरीजों की जांच, शल्य चिकित्सा हेतु 43 का चयन

चेन्नई। राजस्थान यूथ एसोसिएशन (आरवाईए) कॉस्मो फाउंडेशन द्वारा संचालित मेडीबैंक प्रोजेक्ट के अंतर्गत 'श्री बादलचंद सुगनकंवर चोरड़िया योजना' के सौजन्य से शुक्रवार को चेन्नई मेट्रो महावीर एवं शंकरा आई हॉस्पिटल, पम्मल के सहयोग से मासिक निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद चयन शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर संस्था की स्थायी इकाई शांतिदेवी-जवाहरमल चंदन डे-केयर एंड डायग्नोस्टिक सेंटर में संपन्न हुआ। सुगनचंद छाजेड़ की पुण्यतिथि पर आयोजित इस शिविर के प्रायोजक नीलम, नितेश छाजेड़ रहे।

शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा कुल 69 मरीजों की नेत्र जांच की गई। इनमें से 43 मरीजों का मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयन किया गया, जबकि 7

मरीजों को निःशुल्क चश्मे प्रदान करने के लिए चयनित किया गया। शिविर के संचालन एवं व्यवस्थाओं में सौरभ बाफना, महेन्द्र पुंगलिया, शांतिलाल लुणावत एवं विकास रांका ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

हिन्दी अभिनयता-2026 का आयोजन

कोयंबतूर/दक्षिण भारत। हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस एवं सृजन एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी अभिनयता-2026 अंतर-विद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 23 विद्यालयों के लगभग 340 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती वंदना एवं स्वागत नृत्य के साथ हुआ। मुख्य अतिथि कॉलेज के उप-प्राचार्य एस. डी. मीणा ने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रेरित करते हुए प्रतियोगियों का उत्साहवर्धन किया।

इस आयोजन में कविता अभिनय, चित्रकला, मटका (मड पॉट) पेंटिंग, नृत्य, निबंध लेखन, माइम तथा नुक्कड़ नाटक जैसी विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिताएँ सफलतापूर्वक संपन्न हुईं। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों से आए 18 निर्णायकों ने निष्पक्ष निर्णय प्रदान किया। समग्र उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर एसएसवीएम इंस्टीट्यूशन ने ओवरऑल ट्रॉफी अपने नाम की। हिन्दुस्तान कॉलेज की ओर से विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार के मार्गदर्शन तथा कार्यक्रम संयोजिका डॉ. सरला जांगिड़ के नेतृत्व में आयोजन अत्यंत सफल रहा। सृजन एसोसिएशन की ओर से सचिव मधु बांटिया एवं कोषाध्यक्ष संतोष मुंदड़ा एवं कार्यसमिति के सदस्य उत्तमचन्द पुगलिया, जैनसुख बैद, स्नेहा बैद, चैनरुप सेठिया ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हिन्दुस्तान कॉलेज के स्वयंसेवी विद्यार्थियों ने पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट सेवा-भाव का परिचय दिया, जिसकी सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने मुक्तकंठ से सराहना की।

जीतो स्वयम्-वी कनेक्ट की बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) नार्थ लेडीज विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना की उपस्थिति में स्वयम-वी कनेक्ट की बैठक का आयोजन ग्रुप प्रमुख सीए सुखदेवी जैन, मार्गदर्शक प्रज्ञा सेठी एवं सचिव मोक्षा सोलंकी के नेतृत्व में किया गया।

बैठक में आयोजित व्यावसायिक प्रस्तुतियों के अंतर्गत एधा हीलिंग की संचालिका प्रज्ञा सेठी ने टैरो कार्ड वाचन एवं अंक ज्योतिष के बारे में, होलिस्टिक हीलिंग विशेषज्ञ बबिता बैद ने कोबिडो, एक्यूपंक्चर एवं एक्यूप्रेशर जैसी समग्र स्वास्थ्य पद्धतियों पर प्रकाश डालते हुए तनाव मुक्ति, मानसिक संतुलन, प्राकृतिक उपचार क्षमता एवं समग्र स्वास्थ्य संवर्धन में उनकी उपयोगिता से उपस्थित को अवगत कराया। बैठक के दौरान सभी सदस्यों ने 30 सेकंड तथा आगंतुकों ने 15 सेकंड का व्यवसायिक परिचय प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ व्यवसायिक परिचय के लिए रक्षा जैन, सर्वाधिक संदर्भ प्रदान करने के लिए सुशीला श्रीश्रीमाल तथा सर्वाधिक आगंतुक लाने के लिए आरती परमार को सम्मानित किया गया।

यशवंतपुर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा विसर्जन दिवस का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल यशवंतपुर द्वारा विसर्जन दिवस के अवसर पर गणाधिपतिश्री तुलसी के महाप्रयाण दिवस को श्रद्धा, भक्ति के साथ साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में सहकार नगर में आयोजित हुआ। अध्यक्ष रेखा पितलिया ने श्रीतुलसी के व्यक्तित्व एवं प्रेरणादायी जीवन पर अपने विचार व्यक्त किए। साध्वीश्री पावनप्रभाजी व श्री रम्यप्रभाजी ने आचार्यश्री तुलसी के जीवन गुणों के बारे में बताया।संबंधित बातें कुछ बातें बताई। अंत में गुरुदेव तुलसी का जप करवाया गया। इस प्रस्तुति में महिला मंडल की अध्यक्षा रेखा पितलिया, टीना पितलिया, नीतू बाबेल सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

सेवा कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर की सदस्याओं ने गुरुवार को गणाधिपतिश्री तुलसी की 30वीं पुण्यतिथि 'विसर्जन दिवस' के उपलक्ष्य में चंद्रा लेआउट स्थित सहाना चेरिटेबल ट्रस्ट आश्रम में खाद्य सामग्री एवं पाठ्य पुस्तक का वितरण किया। अध्यक्ष महिमा पटावरी, मंत्री सरिता छाजेड़, कोषाध्यक्ष मंजू भंसाली, उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया, सहमंत्री अनीता जीरावला आदि ने सेवा में सहयोग दिया।

धूमधाम से निकला प्रभु का दीक्षा कल्याणक वरघोड़ा, प्रतिष्ठा आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय ट्रस्ट, सोलस-2 में गच्छाधिपति जैनाचार्य युगभूषणसूरीश्वरजी (पंडित महाराज), आचार्यश्री अरिहंत सागरजी एवं अनेक साधु साध्वियों की निश्रा में अंजनशलाका महोत्सव के तहत शुक्रवार को परमात्मा का दीक्षा कल्याणक का वरघोड़ा निकाला गया। वरघोड़े में विशेष वेशभूषा में सजे श्रद्धालु और प्रभु भक्ति के भजनों पर झूमते भक्त जन आकर्षण का केंद्र रहे। वरघोड़े की व्यवस्था ललित डाकलिया, जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल ने सम्हाली। इस मौके पर अहमदाबाद से आए मुमुक्षु किशोर जैन, शांतिलाल नागौरी, बाबूभाई मेहता, राजू सुजानी और नेमीचंद रांका द्वारा किया गया। विधि-विधान रोहित गुरु द्वारा सम्पन्न करवाया गया।

ट्रस्टी कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि महोत्सव के मुख्य पड़ाव के रूप में शनिवार प्रातः शुभ वेला में परमात्मा श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिष्ठा विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ संपन्न होगी। ध्वजारोहण किशोर जैन परिवार द्वारा किया जाएगा और मूलनायक प्रभु पार्श्वनाथ की प्रतिमा कुशलराज उत्तमचंद गुलेच्छा परिवार द्वारा प्रतिष्ठापित की जाएगी। जिनालय पर तोरण बांधने का लाभ ललितकुमार जेठमल भन्साली परिवार को और माणक स्तंभ का लाभ संघवी रतनलाल पिस्ताकंवर नागसेठिया परिवार को प्राप्त हुआ। वरघोड़े के पश्चात परमात्मा को स्वागत की विधि रेखा जैन, सूरज गुलेच्छा, नन्दा मेहता और ललिता नागौरी द्वारा की गई।

संतश्री ने दीक्षा कल्याणक के अवसर पर कहा कि परमात्मा की दीक्षा को कल्याणक कहते हैं। तीर्थंकर शासन स्थापना और परिजनों को प्रेरणा देने हेतु दीक्षा लेते हैं। उनके अन्तिम भव में साधना उत्कृष्ट होती है। तीर्थंकरों को भी जगत के समस्त जीवों का कल्याण करने और उनको प्रेरणा देने के उद्देश्य से दीक्षा लेकर अपने कर्मों को नाश करते है। कोई भी आत्मा तीर्थंकर पद प्राप्त कर सकती है। तीर्थंकर स्व कल्याण की भावना के साथ पर के कल्याण की भावना के साथ दीक्षा लेकर साधना करते हैं।

दोपहर बाद परमात्मा के दीक्षा कल्याणक का प्रसंग मनाया गया। ढोल-नगाड़ों के संगीत और आध्यात्मिक भजनों के बीच श्रद्धालुओं ने परमात्मा के त्याग मार्ग को वंदन किया। कार्यक्रम में जिनालय के ट्रस्टी अशोक नागौरी, महावीर मेहता, जीतो दक्षिण के चेयरमैन रणजीत सोलंकी, अरविन्द कोठारी, ललित गुलेच्छा, नरेन्द्र वेदमुथा, रोहित मेहता के साथ अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

जीतो नॉर्थ के नए कार्यालय में स्नात्र महोत्सव एवं वास्तु पूजन संपन्न, उद्घाटन 12 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) नॉर्थ चैप्टर फाउंडेशन के गांधीनगर स्थित 8 हजार वर्गफीट के नए आधुनिक कार्यालय में स्नात्र महोत्सव एवं वास्तु पूजन संपन्न हुआ। विमल शांति महिला मंडल की भक्तिमय प्रस्तुति दी। चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया ने मुख्य मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा विधिवत स्थापित की। तत्पश्चात मुख्य प्रवेश द्वार का पूजन किया गया तथा कंवारी कन्याओं ने मंगल कलश के साथ शुभ प्रवेश कराया। कटारिया ने बताया कि नया कार्यालय सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कार्यालय है, जिसमें 150 सीटिंग क्षमता वाला बहुउद्देश्यीय ऑडिटोरियम भी शामिल है। 12 जुलाई को उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यालय संयोजक रमेश बोहरा ने बताया कि इस कार्यालय के निर्माण में विभिन्न प्रायोजकों व दानदाताओं का सहयोग है। कार्यालय का उद्घाटन आरके ग्रुप ऑफ कंपनी के छाजेड़ परिवार तथा ऑडिटोरियम का उद्घाटन माइक्रो लैब के सुराणा परिवार द्वारा किया जाएगा। चेयरमैन चैम्बर के लिए खिंवेसरा परिवार, एक्सक्युटिव बोर्ड के लिए रूम गुलेच्छा परिवार, बोर्ड रूम के लिए भंडारी परिवार, यूथ व महिला चेंबर के लिए कटारिया परिवार, एडमिन ब्लॉक के लिए हरण परिवार, डाइनिंग रूम के लिए बैद एवं बोहरा परिवार, फूड कोर्ट के लिए बोहरा-कटारिया परिवार सहित अन्य 51 गोल्डन प्रायोजकों ने सहयोग प्रदान किया है।

इस अवसर पर जीतो अपेक्स के पूर्व चेयरमैन तेजराज गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष इन्द्रचंद बोहरा, केकेजी चेयरमैन प्रवीण बाफना, जीतो प्लस के पूर्व अध्यक्ष किरण गाला, अपैक्स डायरेक्टर शैलेष हरण, प्रवीण शाह, लेडीज विंग चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना एवं यूथ विंग चेयरमैन अनीश भोजानी ने अपने विचार व्यक्त किए। निर्माण कार्य के संयोजक दिनेश बाफना ने सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं दानदाताओं का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर वाइस चेयरमैन कमल पूनमिया, महामंत्री विजय सिंघवी, कोषाध्यक्ष नरेंद्र आच्छा, सह-कोषाध्यक्ष किशोर कर्णावत, मंत्री अशोक भंडारी, पंकज बालर, प्रीतेश जैन, मदन मुणोत सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

आईटी कंपनी के डे-केयर सेंटर में बच्चों से दुव्यर्वहार के आरोप में दो आया गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पुलिस ने बेंगलूरु की एक आईटी कंपनी के परिसर में संचालित 'डे-केयर सेंटर' की दो आया को छोटे बच्चों के साथ दुर्व्यवहार के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कथित दुर्व्यवहार के वीडियो वायरल होने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई जिसके आधार पर मंजुला और विजयलक्ष्मी को गिरफ्तार किया गया। जांच अधिकारी ने बताया कि वीडियो की जांच के दौरान दोनों की पहचान हुई जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों को अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, कथित वीडियो में देखा गया कि जब दो से तीन वर्ष की उम्र के बच्चे रोते थे या शोर मचाते थे, तो उनकी देखभाल करने वाली महिलाएं उन्हें धमकाती थीं। आरोप है कि महिलाओं ने बच्चों को 'फ्रंट-लोडिंग' वॉशिंग मशीन के अंदर डाल दिया, उन्हें पश्चिमी शैली के शौचालय पर बैठाया, टॉयलेट जेट स्प्रे से उनके मुंह में पानी डाला, उन्हें बाथरूम में बंद कर दिया और चुप रहने के लिए धमकाया।

जिस आईटी कंपनी 'कैपजेमिनी' के परिसर में यह डे-केयर सेंटर संचालित होता है, उसने एक बयान में कहा कि उसके कर्मचारियों और उनके परिवारों का स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कंपनी ने बयान में कहा, ''हम संबंधित अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं और तथ्यों का पता लगाने के उनके प्रयासों में सहायता कर रहे हैं।'' घटना और उसके बाद हुई गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने कहा कि राज्य में ऐसी घटनाओं को बिल्कुल न बर्दाश्त करने की नीति है। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल संबंधित कंपनी की प्रतिष्ठा का नहीं, बल्कि 'ब्रांड बेंगलूरु' की छवि का भी है। मंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा, ''हमने अपने विभाग के माध्यम से कंपनी से पहले ही स्पष्टीकरण मांगा है।'' उन्होंने कहा कि ऐसी बड़ी और प्रतिष्ठित कंपनियों की अपनी नीतियां होती हैं, जो केवल भारत तक सीमित नहीं बल्कि वैश्विक मानकों पर आधारित होती हैं।

उन्होंने कहा, ''उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे उन्हीं नीतियों के अनुसार काम करें कि क्रेच कैसे चलाए जाएं, नर्सरी का संचालन कैसे हो और डे-केयर सेंटर किस तरह संचालित किए जाएं।'' खरगे ने कहा कि इन कंपनियों की अपनी मानक संचालन प्रक्रियाएं होती हैं, जिनका पालन इस मामले में नहीं किया गया। उन्होंने कहा, ''उन्हें उचित सत्यापन और विभिन्न प्रकार की पृष्ठभूमि की जांच करनी चाहिए थी। मेरा मानना है कि ऐसा नहीं किया गया।'' मंत्री ने कहा कि वह कंपनी के लिखित जवाब का इंतजार कर रहे हैं और इस बात पर जोर दिया कि किसी भी संगठन को ऐसी घटनाएं होने नहीं देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों से जुड़े मामलों को अत्यंत जिम्मेदारी के साथ संभाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा, जो कुछ हुआ है, वह वास्तव में शर्म से सिर झुका देने वाली घटना है। खरगे ने यह भी बताया कि कर्नाटक महिला एवं बाल विकास विभाग ने डे-केयर सेंटर के संचालन और प्रबंधन के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश जारी कर रखे हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.